वर्ष-10, अंक-178
इन्दौर, बुधवार
25 सितम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

यूपी-बिहार में बाढ़ से हाहाकार, 31 जिले डूबे

रेल ट्रैक तक पहुंचा पानी, कई ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है. राज्य के बारह जिले डूब गए हैं और 31 लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. गंगा से सटे शहरों को बाढ़ ने ज्यादा नुकसान पहुंचाया है. सरकार ने सभी जिले के अधिकारियों को मुस्तैद रहने और प्रभावितों को हर तरह की मदद उपलब्ध कराने का आदेश दिया है. कई ट्रेनों को भी रद्द कर दिया गया है. यूपी बिहार में बाढ़ का संकट गहरा गया है. बाढ़ की वजह से राज्य में 31 जिलों के करीब 12.67 लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. रविवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राज्य में बाढ़ की स्थिति गंभीर है. हालांकि राज्य में कुछ स्थानों पर जल स्तर में कमी आ रही है. पटना और इसके आसपास के इलाकों में गंगा नदी का जलस्तर घटने लगा है, वहीं अन्य जिलों में कई नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी का असर निचले इलाकों पर पड़ रहा है. न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि, गंगा के किनारे के बारह जिले बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहे हैं और निचले इलाकों में रहने वाले लगभग 12.67 लाख लोग बढ़ते जल स्तर से प्रभावित हुए हैं.

सोयाबीन उपार्जन नीति को मंजूरी, अब एमएसपी पर बिकेगा

किसान कब से ले सकते हैं इसका फायदा?

भोपाल।

मध्य प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मोहर लगी है। सोयाबीन उपार्जन नीति को मंजूरी दी गई, जिससे प्रदेश में पहली बार एमएसपी पर सोयाबीन की खरीदी की जाएगी, इसके अलावा विधायकों के लिए नए आवास भी बनेंगे।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में कई हम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सोयाबीन उपार्जन नीति को मंजूरी मिलने से प्रदेश में सोयाबीन की सरकार खरीदी का रास्ता साफ हो गया है। अब प्रदेश में किसानों एमएसपी पर सोयाबीन की खरीदी की होगी।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में सोयाबीन उपार्जन नीति को मंजूरी दी है। इस नीति के तहत मार्कफेड द्वारा किसानों से सोयाबीन खरीदी जाएगी। सरकार किसानों से सोयाबीन की खरीदी 4892 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करेगी। यह खरीदी 25 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चलेगी, जबकि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 25 सितंबर से शुरू होगी और अक्टूबर तक चलेगी। इस पहल से राज्य के लाखों किसानों को लाभ होगा और उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिलेगा।

साइबर फ्रॉड पर नकेल : गृह मंत्रालय के आदेश पर लाखों मोबाइल बंद

नई दिल्ली। देश में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए सरकार ने सख्त कदम उठाया है। इसके चलते लगातार अनेक बड़े कदम उठाए गए हैं और तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) के साइबर विंग के आदेश पर करीब 06 लाख मोबाइल फोन्स को बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही करीब 65 हजार साइबर फ्रॉड करने वाले यूआरएल को भी ब्लॉक कर दिया गया है। यहां बताते चलें कि साइबर फ्रॉड रोकने के लिए गृह मंत्रालय का ढ्ढ्रस्री विंग लगातार बड़े कदम उठा रहा है। लाखों की संख्या में बंद किए गए मोबाइल फोन्स से साइबर फ्रॉड में काफी कुछ लगाम लगने की उम्मीद जताई जा रही है। ऑनलाइन फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर रोक लगाने केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के कारण ऑनलाइन साइबर फ्रॉड और स्कैम के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। प्रतिदिन हजारों फ्रॉड के मामले सामने आते हैं। ऐसे में साइबर फ्रॉड पर रोक लगाने केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए चार दिन पहले ही साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री की शुरुआत की है। यहां बताते चलें कि लोगों की सेफ्टी के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री की शुरुआत की थी। जो कि देश भर में साइबर अपराध संदिग्धों के समेकित डेटा के साथ एक केंद्रीय-स्तरीय डेटाबेस के रूप में काम करेगी। इसके बाद ही केंद्रीय गृह मंत्रालय के साइबर विंग के आदेश पर करीब 06 लाख मोबाइल फोन्स को बंद किया गया है।

जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण का मतदान आज

पुंछ (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कल यानी 25 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है। पुंछ जिले के मेंढर सब डिविजन में संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वह बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। चुनावों के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भी विशेष निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि तैनात किए गए जवानों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को सुचारू और सुरक्षित सम्पन्न कराने के लिए 142 पोलिंग बूथों पर सुरक्षाबलों को तैनात करने का निर्णय लिया है।

सुनीता विलियम्स ने रचा इतिहास, फिर बनी ISS की कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एक ओर जहां धरती पर एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को वापस कवायद जारी है। वहीं, अंतरिक्ष में उन्हें नई जिम्मेदारी सौंप दी गई है। खबर है कि विलियम्स को ISS यानी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की कमान सौंपी गई है। खास बात है कि इससे पहले भी वह यह जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। वह साथी एस्ट्रोनॉट बुच विलमोर के साथ 5 जून, 2024 से ही स्पेस स्टेशन पर हैं। बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आने के कारण विलियम्स की यह अंतरिक्ष यात्रा

लंबी हो गई थी। कहा जा रहा है कि उनकी वापसी फरवरी 2025 तक टल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी स्पेस एजेंसी ह्ल ने ऐलान किया है कि रूसी कॉस्मोनॉट ओलेक कोनोनेंको ने स्पेस स्टेशन की कमान विलियम्स को सौंप दी है। इसे लेकर स्पेस स्टेशन पर छोटा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था।

अंतरिक्ष में 374 दिन बिताने के बाद वापस रूस के कोनोनेंको और निकोलाइ चुब और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी सी डायसन धरती पर लौट आए हैं। डायसन 6 महीने अंतरिक्ष में रहीं।

छात्रा से होटल ले जाकर किया गैंगरेप

लखनऊ (एजेंसी)। स्कूल से घर लौट रही पांचवीं की छात्रा को गैर समुदाय के दो युवकों ने अगवा कर लिया। आरोपी उसे एक होटल में ले गए, वहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता का फोटो और वीडियो भी बना लिया। छात्रा के पिता ने सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनीनगर निवासी एक शख्स के मुताबिक उनकी 13 वर्षीय बेटी निजी स्कूल में पढ़ती है। आरोप है कि दोपहर एक बजे बेटी स्कूल से लौट रही थी। कार से पहुंचे दानिश व अमीन ने उसका बैग छीन लिया। बेटी बैग लेने के लिए आगे बढ़ी तो दोनों ने उसे खींचकर कार में बैठा लिया। उसे कृष्णानगर स्थित होटल पैराडाइज शांति इन लेकर पहुंचे। वहां दोनों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध पर वीडियो वायरल करने और किसी को कुछ बताने पर मां-पिता की हत्या करने की धमकी दी।

सुप्रीम कोर्ट ने आयकर विभाग को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आयकर विभाग को छोटी रकम के लिए लंबी और महंगी मुकदमेबाजी में लिप्त होने के लिए फटकार लगाई. जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि वादी को पूरी जिम्मेदारी के साथ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना चाहिए. सुप्रीम

कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों के अपील में आने से पहले किसी जिम्मेदार व्यक्ति को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी. कोर्ट ने कहा कि हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि इतनी छोटी राशि के लिए आयकर विभाग ने क्यों अपील दाखिल की है जबकि यहां बहुत सारे मामले आयकर विभाग की वजह से ऐसे हैं ।

सिद्धारमैया को नहीं मिली राहत

जमीन घोटाले मामले में सीएम पर चलेगा केस

बैंगलूर (एजेंसी)। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण केस में कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने सीएम सिद्धारमैया पर केस चलने की मंजूरी दे दी है।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि याचिका में बताए गए तथ्यों की जांच करने की जरूरत है। बता दें कि, हाईकोर्ट ने 12 सितंबर को मामले की सुनवाई को पूरा कर अपने फैसले को सुरक्षित रख लिया था। इस याचिका में सिद्धारमैया ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उनके खिलाफ राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा जांच के लिए दी गई मंजूरी को चुनौती दी थी। मंगलवार को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण केस पर हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि, राज्यपाल कानून के हिसाब से केस चला सकते हैं। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि, राज्यपाल स्वतंत्र निर्णय ले सकते हैं और राज्यपाल गहलोत ने अपने दिमाग का पूरी तरह से इस्तेमाल किया है।

वियतनाम में भारी वर्षा से तीन लोगों की मौत

हनोई, (एजेंसी)। वियतनाम के मध्य क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी वर्षा होने के कारण तीन लोगों की मौत हो चुकी है। प्राकृतिक आपदा रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति ने मंगलवार को रिपोर्ट दी कि न्घे एन प्रांत में अचानक आई बाढ़ में तीन लोग बह गए। इसके अलावा, थान होआ, न्घे आन, हा तिन्ह, थुआ थिएन-ह्यू और क्वांग नाम प्रांतों में 329 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गये। क्षेत्र में लगभग पांच हजार हेक्टेयर चावल और कृषि उपज जलमग्न हो गई।

जापान में भूकंप के झटके, सुनामी का अलर्ट जारी

टोक्यो, (एजेंसी)।

जापान की धरती एक बार फिर भूकंप के झटकों से थर्रा गई है। इसके बाद सुनामी का अलर्ट भी जारी किया गया है। यह घटना सोमवार की सुबह हुई, जब मौसम वैज्ञानिकों ने इज़ू द्वीप के पास 5.6 तीव्रता के भूकंप आना दर्ज किया। भूकंप का केंद्र लगभग सुबह 5 बजे था और इसके बाद ओगासावारा द्वीप पर 3.3 इंच की सुनामी आने की आशंका जताई गई है। जापान, जो चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के शीर्ष पर स्थित है, हर साल लगभग 1,500 भूकंप महसूस करता है, जिनमें से अधिकांश छोटे होते हैं। हाल ही में, पिछले महीने क्यूशू और शिकोकू द्वीपों पर भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिनकी तीव्रता 7.1 मापी गई थी। उस समय तटीय इलाकों में, जैसे मियाजाकी, कोची, इहिमे, कागोशिमा, और आइता, सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था, और समुद्र में 20 सेंटीमीटर ऊँची लहरें देखी गई थीं। जापान के मौसम विज्ञानियों ने नागरिकों को सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। लोगों को भूकंप की तैयारी के लिए पहले से ही प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे आपात स्थिति में बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया कर सकें। स्थानीय सरकारें भी लोगों को चेतावनी देने और सुरक्षित स्थानों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हालांकि भूकंप का केंद्र दूरस्थ द्वीपों पर था, लेकिन इसके प्रभाव से निपटने के लिए जापान सरकार ने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। जापान के नागरिकों की सुरक्षा और राहत कार्यों के लिए पूरा तंत्र सक्रिय है। अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और स्थिति में सुधार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

क्यों आता है भूकंप

भूकंप का कारण धरती के अंदर टेक्टोनिक प्लेटों का आपस में टकराना, रगड़ना, या एक-दूसरे के ऊपर चढ़ना होता है। जब ये प्लेटें एक-दूसरे के करीब आती हैं या दूर जाती हैं, तब धरती हिलती है। भूकंप को मापने के लिए रिक्टर पैमाने का उपयोग किया जाता है, जो 1 से 9 तक की तीव्रता को दर्शाता है। रिक्टर स्केल पर 1 का मतलब बहुत कम तीव्रता है, जबकि 9 अत्यधिक तीव्रता का संकेत देता है।

तिरुपति मंदिर ट्रस्ट की आई सफाई

लड्डू प्रसादम में तंबाकू पैकेट मिले

तिरुमाला (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा, यह सच नहीं है कि लड्डू प्रसादम में तंबाकू का पैकेट पाया गया है. कुछ भक्तों ने सोशल मीडिया पर इसे ऐसे वायरल कर दिया है जैसे पवित्र लड्डू प्रसादम में तंबाकू का पैकेट है. ट्रस्ट ने बताया कि तिरुमाला में वैष्णव ब्राह्मण समाज लड्डू प्रसादम तैयार करता है. तिरुपति मंदिर में लड्डू प्रसादम के घी में जानवरों की चर्बी और फिश ऑयल पाए जाने का विवाद थमा नहीं है. इस बीच, लड्डू प्रसादम में अब तंबाकू का पैकेट मिलने का दावा किए जाने पर मंदिर ट्रस्ट बोर्ड फिर घिर गया है. हालांकि, ट्रस्ट ने आरोपों को खारिज किया है और प्रसाद तैयार करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी है. तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा, यह सच नहीं है कि लड्डू प्रसादम में तंबाकू का पैकेट पाया गया है.

कुछ भक्तों ने सोशल मीडिया पर इसे ऐसे वायरल कर दिया है जैसे पवित्र लड्डू प्रसादम में तंबाकू का पैकेट है. ट्रस्ट ने बताया कि तिरुमाला में वैष्णव ब्राह्मण समाज लड्डू प्रसादम तैयार करता है. यहां भक्ति और सख्ती के साथ हर रोज लाखों की संख्या में लड्डू तैयार किए जाते हैं. इन लड्डुओं को जहां तैयार किया जाता है, वहां सीसीटीवी लगे हैं. यानी इनकी निगरानी भी रखी जाती है.

श्रद्धालु ने किया था तंबाकू का पैकेट मिलने का दावा

दरअसल, यह विवाद तब सामने आया, जब तेलंगाना के खम्मम जिले में चौंकाने वाला दावा किया गया. वहां पवन नाम के श्रद्धालु ने दावा किया कि तिरुपति के लड्डू प्रसादम में तंबाकू मिला है. पवन ने कहा, उनकी मां डोंथु पद्मावती अपने रिश्तेदारों के साथ 19 सितंबर 2024 को तिरुमाला मंदिर में दर्शन करने गई थीं. अंअष की तरफ से उन्हें जो लड्डू प्रसादम दिया गया, उसमें अंदर कागज में लिपटे तंबाकू के टुकड़े पाए गए. अंअष ने उनसे संपर्क किया और जांच के लिए लड्डू को स्टोर करने को कहा था.

शेयर बाजार ने रचा इतिहास: सेंसेक्स पहली बार 85,000 के पार, निफ्टी ने भी किया कमाल

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को एक और इतिहास रचते हुए ऑल टाइम हाई पर पहुंचकर नया रिकॉर्ड कायम किया। बीएसई का सेंसेक्स पहली बार 85,000 के पार पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 26,000 के बेहद करीब है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 85,052.42 के स्तर तक पहुंचा, जबकि निफ्टी ने 25,978.90 का नया रिकॉर्ड बनाया। 24 सितंबर को शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन ऑल टाइम हाई देखने को मिला। सेंसेक्स 50 अंकों की बढ़त के साथ 85,000 के आसपास कारोबार कर रहा था, वहीं निफ्टी भी 20 अंकों की तेजी के साथ 25,950 के स्तर पर बना हुआ था। मेटल और एनर्जी शेयर्स में जबरदस्त तेजी देखी गई, जबकि आईटी, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में गिरावट रही। टाटा स्टील के शेयर में करीब 3% की उछाल दर्ज की गई। बाजार की शुरुआत हालांकि गिरावट के साथ हुई थी। सेंसेक्स 130.92 अंकों की गिरावट के साथ 84,860.73 के स्तर पर खुला, लेकिन कुछ ही देर में यह तेजी में बदल गया। 15 मिनट के भीतर ही सेंसेक्स 115 अंकों की बढ़त के साथ 85,052.42 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, निफ्टी 22.80 अंकों की गिरावट के

संपादकीय

संविदा और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का सरकारी शोषण?

पिछले कई दशकों से सरकार खाली पदों को नहीं भर रही है। रिक्त पदों को भरने के स्थान पर स्वीकृत पदों की कटौती कर रही हैं। सेवा निवृत्ति कर्मचारी के स्थान पर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में संविदा के आधार पर ठेकेदारी प्रथा पर बड़ी संख्या में कर्मचारियों को रखा जा रहा है। कई सालों से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्हें नियमित नहीं किया गया। उन्हें बहुत कम वेतन दिया जाता है। सरकारी कमर्चारियों की तरह उन्हें कोई सुविधा भी नहीं मिलती है। दैनिक वेतन भोगियों और संविदा कर्मचारी की नौकरी सुरक्षित नहीं है। दो दशक पहले दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी सरकारी विभागों में रिश्वत देकर नौकरी पाते थे। परिवार वालों को लगता था, एक बार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्ति हो गई। आगे चलकर वह नियमित कर्मचारी हो जाएंगे। दो दशक से ज्यादा हो गए, अभी तक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित नहीं किया गया। सरकारें, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को दरकिनार कर देती हैं। पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय स्तर पर तथा राज्यों के स्तर पर बड़े पैमाने पर संविदा नियुक्ति की जा रही है। सरकारी विभागों में कार्यालयों के काम ठेके पर दिए जा रहे हैं। ठेकेदार संविदा में कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं। सरकार जो पैसा कर्मचारियों के लिए ठेकेदार को भुगतान करती है, उससे 30 से 40 फ़ीसदी कम पैसा ठेकेदारों द्वारा संविदा कर्मचारियों को भुगतान किया जाता है। देश भर के सभी राज्यों में लाखों लोग संविदा नियुक्त पर काम कर रहे हैं। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की संख्या भी प्रत्येक राज्य में लाखों में है। राज्य सरकारों और नगरीय निकायों और राज्य सरकारों के पद कई वर्षों से खाली पड़े हुए हैं। सरकार उन्हें कर्मचारियों को नियमित करके नहीं भर रही है। कई वर्षों से भर्ती प्रक्रिया भी बंद है। सारी सरकारी सेवाएं गड़बड़ाती चली जा रही हैं। नगरीय निकाय, कलेक्टर कार्यालय, संभागीय कार्यालय, मंत्रालय, संचालनालय, तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय सब जगह पर संविदा कर्मचारी काम कर रहे हैं। इसका खामियाजा आम आदमी और सरकार दोनों को ही भुगतना पड़ रहा है। राजस्व विभाग में जमीन के रिकॉर्ड का काम संविदा के कर्मचारी देख रहे हैं। परिवहन विभाग के लाइसेंस संविदा कर्मचारी बना रहे हैं। मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की सुविधा भी संविदा कर्मचारियों के भरोसे है। कंप्यूटर में राजस्व रिकॉर्ड में बड़े पैमाने पर हेरा-फेरी किए जाने के समाचार रोजाना मिल रहे हैं।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है।

शौचालय खत्म ...

गोबर को सरकार ने शौचालय इस इरादे से सेंक्शन की थी कि वह अपने परिवार के साथ इधर उधर शौच न करे। क्योंकि पहले ही उसका गांव शौच से ठसाठसा भर चुका था। जबसे सरकार ने गोबर को मुफ्त का सरकारी राशन देना शुरू किया है, वह सारा दिन टांगें चौड़ी कर घर में पड़ा रहता है, जहां मन करता शौच करता हुआ। और मजे की बात! महीने बाद ही सरकार की सेंक्शन शौचालय गोबर के घर! में गोबर को सरकार की ओर से शौचालय सेंक्शन होकर आ गई।

दो महीने हुए, चार महीने हुए, पर गोबर ने शौचालय न बनाई तो उसके पड़ोसी गरजे ने सरकार को सरकार की हैल्प लाइन पर उसकी कंपलेंट कर दी कि सरकार ने जो शौचालय गोबर को सेंक्शन की थी, वह उसे भी सरकार से मिली भैंस की तरह खा गया है। लिहाजा उसे सरकारी टट्टी -शौचालय खाने के जुर्म में कठोर से कठोर सजा दी जाए। क्योंकि गोबर को उठाने को सरकार जो भी देती है, मुंह में असली दांत न होने के बाद भी वह सब खा जाता है। ज्यों ही गोबर के पड़ोसी ने सरकार की हैल्प लाइन पर सरकार को गोबर की शिकयत की कि दूसरे ही दिन सरकार की ओर से शिकायत की इंक्वायरी करने सरकार के अफसर जी मूंछों पर ताव देते गोबर के घर आ पहुंचे तो अचानक यमराज की तरह सरकारी अफसर को अपने दरवाजे पर खड़ा देख गोबर के पसीने छूटे। तब उसने दोनों हाथ जोड़ते सरकारी अफसर जी से सादर पूछा,' हे यमराज के साक्षात् प्रतीक साहब जी! आज मेरे घर कैसे दर्शन दिए?' 'सरकार बहादुर को तुम्हारी शिकायत गई है कि तुम्हें सरकार की ओर से जो शौचालय जारी हुई थी, तुम उसे खा गए हो। अब तुम्हें सरकार की पाई पाई शौचालय का हिसाब देना होगा, नहीं तो....' गोबर को सरकार की ओर से जारी टट्टी-शौचालय की जांच करने आए अफसर ने खाऊ नजरों से देखा तो गोबर के होश उड़ने लगे। तब गोबर ने साहब जी को प्लास्टिक की कुर्सी बैठने को देते कहा,' जरा आराम करो साहब जी! मर जाए जो आपसे झूठ कहे। मानता हूं, सरकार ने मुझे टट्टी -शौचालयसेंक्शन की थी,पर मैंने अकेले सारी सरकारी टट्टी नहीं खाई है। जैसे ही मुझे सरकार की टट्टी -शौचालय मंजूर होने की सूचना मिली तो सबसे पहले ब्लॉक के साहब जी पधारे। आते ही मुझसे बोले,' मुबारक हो गोबर! सरकारी टट्टी -शौचालयतुम्हें मंजूर हुई है। तुम्हारे लिए सरकारी ट्टटी -शौचालयमंजूर करवाने को मैं ही जानता हूं , मुझे कितनी मेहनत करनी पड़ी। इसलिए कायदे से इस टट्टी -शौचालय का दस परसेंट तो मेरा धर्म से बनता है। तुम भला कहो चाहे बुरा। '' क्यों नहीं महाराज! आप न होते तो मुझे सरकारी टट्टी-शौचालय न मिलती। बस, यहां घर में सरकारी टट्टी-शौचालय आई तो दूसरी ओर उस टट्टी -शौचालयमें से दस परसेंट आपके। और वह भी आंखें बंद करके। बच्चे का लहू पीऊं जो अपने वादे से मुकरूं। और साहब जी! सरकारी टट्टी में से दस परसेंट वे खा गए।' ' तो नब्बे परसेंट टट्टी तो अभी भी बची थी कि नहीं?'

'साहब जी! उसके बाद हमारे प्रधान जी आए। उन्होंने सीना चौड़ करते कहा,' मुबारक हो गोबर! मेरी मेहरबानी से तुम्हें सरकारी टट्टी मंजूर हुई है। काला राम तो कहता मर गया कि मैं तुम्हारे बदले उसे सरकारी टट्टी -शौचालय मूंजर करवाऊं, पर तुम ठहरे मेरे चुनाव चुनाव के पुश्तैनी वोटर। मत पूछो ! तुम्हें सरकारी टट्टी मंजूर करवाने को मैंने कितने हाथ पांव मारे?' 'परधान जी महाराज! जो आपकी कृपा न होती तो सरकार की टट्टी तो क्या सरकार का पेशाब जनता को मंजूर न होता। आपके हाथ तो बहुत लंबे है परधान जी। भगवान आपके हाथ हर जन्म में इतने ही लंबे रखे।' 'तो देख, इस सरकारी टट्टी -शौचालय में से दस परसेंट टट्टी कायदे से मेरी बनती है कि नहीं?' 'ठीक है परधान जी! आप ठीक कह रहे हैं।'

'तो अस्सी परसेंट टट्टी कहां गई?'

'साहब जी! उसके बाद हमारे पंचायत के उप परधान जी मेरे घर आए। आते ही बोले,' रे गोबर! बधाई हो। सरकार ने तुम्हें टट्टी मूंजर कर दी।'

'आपकी कृपा है सब उप परधान जी! जो आपकी कृपा न हो तो सरकार की टट्टी तो दूर , गांव वालों को ...'

'तो देख! इस खुशी में सरकारी टट्टी -शौचालय में दस परसेंट मेरा बनता है कि नहीं?'

'जी उप परधान जी!' और सरकारी टट्टी में से दस परसेंट वे भी खा गए जनाब!'

' तो सहत्तर परसेंट टट्टी कहां गई? मुझे तो वह यहां कहीं दिखाई नहीं दे रही?' 'साहब जी! पाई पाई टट्टी का हिसाब दूंगा आपको। जरा धीरज रखिए। ज्यों ही मेरे गांव के पंचायत मेंबर को इस बात का पता चला कि मुझे सरकार ने टट्टी मंजूर की है तो वे भी दौड़े दौड़े मेरे घर आए। आते ही बोले,' गोबर भाई, बधाई हो। सरकार ने तुझे टट्टी -शौचालयमंजूर कर दी।'

' बस, सब आपकी कृपा है जी महाराज!'

'देख, मैंने तुम्हें उसकी टट्टी तुझे दिलवाई है। आगे सब समझ गए न तुम?'

'जी मेंबर साहब।'

' तो इस टट्टी में से सीधी बीस परेंसट टट्टी मेरी बनती है ईमानदारी से। '

'ठीक है मेंबर साहब जी! इस सरकारी टट्टी पर मेरा हक बाद में है पहला हक तो आपका ही बनता है जी जनाब! और वे भी टट्टी में से अपना हस्सा ले आगे हुए।'

'तो बची हुई पचास परसेंट टट्टी कहां गई? हिसाब तो देना ही होगा गोबर। सरकारी टट्टी है न!'

' जी साहब जी!! उसके बाद पता नहीं कौन से सरकारी दफ्तर से चार महीने बाद मुझे सरकारी आई टट्टी -शौचालय को चेक करने वाले आए। टट्टी तो कहीं थी नहीं , सो वे मेरे कान में बोले,' कागजों में टट्टी -शौचालय यूज हुई शो करवाना चाहते हो तो...'' तो??' 'तो जो तुम्हें सेंक्शन टट्टी में से बीस परसेंट मेरे मुंह में डाल दो तो मुंह बंद कर लूंगा। कहो तो मंजूर वर्ना... आखिर में जनाब मुझे आई सरकारी टट्टी में पूरे बीस परसेंट खाकर ही माने। तब जाकर कहीं उनसे पीछा छूटा। '

'ठीक है! ठीक है! तो अब बीस परसेंट सरकारी टट्टी कहां गई? पूछता है सरकारी अफसर! देखो, टट्टी की जरंच में से पाक साफ बचना हो तो... नहीं तो सरकारी टट्टी खाने के जुर्म में... पता है सरकार इनदिनों खाने वालों पर कितनी सख्त हो गई है? मुझ जैसों तक को भी फूंक फूंक कर खाना पड़ रहा है। याद रखो, जो एकबार सरकारी टट्टी -शौचालयके गबन में अंदर गए तो समझो... सरकारी टट्टी अकेले खाने की जिसने भी आज तक सोची उसे दस्त ही लगे। अब तुम चाहते हो कि... तो....' गोबर ने सरकारी टट्टी की जांच करने आए अफसर की सख्ती देखी तो उसके सारे बदन में बिजली का करंट दौड़ने लगा। तब उसने कांपते हुए टट्टी की जांच करने आए सरकारी अफसर से पानी की तरह पतले होते सानुनय पूछा ,' तो आपकी कितने परसेंट टट्टी बनती है जनाब जी?' गोबर ने अभयदान की मुद्रा में हाथ जोड़ दिए।

'बची हुई सारी! जांच अफसर हूं। कोई छोटा अफसर नहीं,' सरकारी टट्टी जांच को आए अफसर ने होंठों पर जीभ फेरते कहा तो गोबर चुपचाप भीतर गया और भीतर से बची सारी टट्टी ले आया। फिर जांच अफसर के हाथों पर रखते उसने कहा,' लो साहब जी! अब घर में तिल भर भी टट्टी नहीं बची। अब सारी टट्टी आपकी। विश्वास न हो तो भीतर जाकर खुद ही चेक कर लो।'

' अब कोई भी सरकारी माई का लाल तुम्हारा बाल बांका नहीं कर सकता गोबर! ये सरकार की नहीं, मेरी गारंटी है। जाओ, अब जहां मन करे शौच कर देश भरो, मौज करो,' जांच अफसर साहब ने मुस्कुराते कहा और पीं पीं करते ये गए कि वो गए तो गोबर के पेट में जोर का मरोड़ फिरा और इससे पहले कि उसका पाजामा खराब हो जाता वह मुनिया के खेत की ओर सिर पर पांव धर भागा। अब उसे अपने प्रेशर को रोकना बहुत कठिन हो रहा था। इसके बाद जो जांच अफसर दो मिनट भी और रूक जाता तो....तय था कि...

अशोक गौतम
गौतम निवास, अपर सेरी रोड़, नजदीक मेन वाटर टैंक, सोलन-173212 हि.प्र.

ससुरजी का श्राद्ध

कहानी

दो दिन पहले मेरी सासू माँ का फ़ोन आया था बेटा 29 तारीख को आ जाना वो थोड़ा भावुक थी हमने ज्यादा पूछा नहीं पर समझ गये कि पापा को दुनिया से गए तीन वर्ष होने को आयें। उनका पहला श्राद्ध था आज बोली तेरी छुट्टी नहीं होगी। मैने कहा मैं ले लूँगी सासू माँ पापा के पुश्तैनी मकान में रहती हैं। हम नौकरी की वजह से घर से तीस किलोमीटर दूर रहते हैं आना जाना बना हुआ हैं वो स्थायी रुप से अपना घर जिसमें पापा के संग ना जाने कितने वर्ष बिताये हैं,उसे छोड़ना नहीं चाहती खैर कोई पत्नी ऐसा नहीं चाहती हमने भी ज्यादा जोर नहीं दिया। जैसे वो जीना चाहे हम आज भोर में ही घर पहुँच गए सासू माँ पोंछा लगा रही थी। मैने उनके पैर छुये बोली खुश रह बेटा जा मैने आलू चढ़ा दिये हैं एक तरफ तीन किलो दूध रख दिया हैं खीर के लिये कम पड़े तो और डाल लेना। मैने कहा लाओ मैं पोछा लगा देती हूं। वो बोली,तू नहा धोकर आयी हैं साबुन से अच्छे पानी से हाथ धोकर रसोई

में बनाने में लग जा। मैने कहा क्या क्या बनेगा मम्मी बोली,वो सब कुछ जो पापा को पसंद था। फिर मैने पूछा कितने लोगों का बोली पंडितजी 11 बजे आयेंगे बाकी सारे चाचा चाची बच्चे उस से पहले ही आ जायें। शायद अर्बी की सुखी सब्जी,आलू टमाटर की रसे की सब्जी,बूंदी का रायता,खीर,दाल की कचौरी,दही बड़ा और सबसे ज़रूरी ईमरती,दाल की कचौरी का सुन मेरे आँखों से आंसू छल्ल से निकल आयें। पापा की सबसे पसंदीदी चीजों में थी दाल की कचौरी और खीर बहुत मन से खाते थे। उनके भाई बंधु आ ज़ाते थे जब बाबा अम्मा के श्राद्ध पर घर तो फूले नहीं समाते थे।हेड मास्टर के पद से रिटायर थे मेरे पापा खैर आंसू पोंछ मैं लग गयी काम पर। पतिदेव भी मेरे माथे पर आयें पसीने को देख थोड़ा मदद कराने आ गए। मैने कहा मम्मी अब आप नहा लो वो गुसलखाने से बोलती जा रही मेवें अच्छे से डाल देना पापा बोलते ही रहते थे मेवे कम नहीं पड़ने चाहिए खीर में। मैने मम्मी की आवाज सुन और मेवे डाल दिये। तब तक घर के बाकी चाचा चाची बच्चे आ गए दोनों सब्जी,रायता,खीर,दाल की कचौरी की भूनी हुई दाल,कचौरी का ढीला आटा, पूरी का सख्त आटा तैयार था। मैने पतीले में चाय चढ़ायी सभी को पानी दिया सभी के पैर छू आयी तब तक पंडितजी और उनके बेटे को भी ये ले आयें उन्हे जल पान कराया पापा के सब भाईयों को देख पंडितजी भी भावुक हो गए।आज ठाकुर साब बहुत खुश होंगे उनके सब भाई,नाती पोंते,बच्चे घर में हैं चार दिन पहले से ही ठाकुर साब न्यौत आतें थे कि पंडितजी हमारे यहां ही आना कहीं और मत जाना। सुबह ही ले आतें थे आज उन्ही के श्राद्ध का प्रसाद ग्रहण करने आया हूँ पर मन बहुत भारी हो रहा हैं। उन्होने ज्यादा तो नहीं खाया पर मान रखने के लिए थोड़ा थोड़ा प्रसाद ग्रहण कर लिया। उनके बेटे ने ठीक से भोजन खाया दक्षिणा दी उनके जाने के बाद घर के छोटे छोटे बच्चे जिनके पेट में चूहे कूद रहे थे उन्हे खाना लगाया सब बड़े मन से खा रहे थे पापा की बच्चों के सामने लगी तस्वीर देखकर मुझे ऐसा लग मानो वो मुस्कुरा रहे हो देखो मेरे बच्चे मेरे घर में कैसे चहक रहे हैं।

प्रेमनारायण वेद, इंदौर

मोलभाव

कहानी

सुभाष चंद्र लखेड़ा सुरभि को समझ नहीं आ रहा था कि उसने उस तिपहिया चालक का नंबर नोट क्यों नहीं किया ? खैर, गुस्से में यूं तो वह उसे बहुत कुछ कह चुकी थी लेकिन उसने जो चोट पहुँचाई थी, उससे वह अभी उबर नहीं पाई थी। उसे गुस्सा होते देख वह उस चौराहे से अपने तिपहिए को स्टार्ट कर चलता बना था लेकिन सुरभि को अब अपनी बेवकूफी पर अफ़सोस हो रहा था। हाथ में मौजूद आईफोन से वह उसकी और तिपहिए की तस्वीर भी खींच सकती थी।

दरअसल, आज तक कभी ऐसा मौका नहीं पड़ा जब उसे किसी टैक्सी या तिपहिए वाले से खुद बात करनी पड़ी हो। विवाह के बाद पिछले तीन साल में वह घर से बाहर हमेशा अपने पति अंकुर के साथ गई। इधर अंकुर दो दिनों के लिए किसी काम से शहर से बाहर था और ऐसे में उसकी सहेली ने उसे अपने घर आज दोपहर के खाने पर बुलाया था। संयोगवश, कार चलाना उसे आता नहीं अन्यथा अंकुर के पास तो अपनी वैगन आर कार है। सहेली का घर उसके घर से लगभग तीन किलोमीटर दूर है तो ऐसे में उसने सोचा तिपहिए में जाना सुविधाजनक रहेगा। यूं वह पहले भी तीन - चार बार अंकुर के साथ तिपहिए पर नजदीक के बाजार में खरीददारी करने गई लेकिन हमेशा तिपहिए वालों से मोलभाव अंकुर ही करता रहा। उसे याद है कि कम दूरी तक जाने के लिए अक्सर तिपहिए वाले या तो तैयार नहीं होते अथवा सीधे अस्सी - सौ रुपये माँगते हैं लेकिन अंकुर हमेशा पचास - साठ रुपये में बात निपटा देता था। बहरहाल, आज जब वह घर से निकल कर पास के चौराहे पर पहुँची तो उसे वहां एक तिपहिया नजर आया। पास जाकर उसने उसके चालक से सहेली की कॉलोनी चलने को कहा तो वह बोला - सौ रूपया। खैर, अंकुर के साथ हुए अनुभवों का लाभ उठाते हुए जब उसने कहा - ठीक - ठीक बोलो। यह सुनकर वह अपनी बत्तीसी दिखाते हुए बोला - मैडम, आप फ्री में भी कहेंगी तो मैं ले चलूँगा।

- सुभाष चंद्र लखेड़ा, फ्लोरेंस पार्क ड्राइव, सान होजे, कैलिफोर्निया

एक अनुभव

सुनो प्रेरणा अब बहुत हो गया पढ़ना पढ़ाना कब तक और कितना पढ़ाओगे इसे ,इसकी शादी करो और अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो ,अभी पढ़ाई में पैसा लगाओगी फिर शादी में अरे एक-एक करके अपनी लायबिलिटी खत्म करो यह मेरे ससुर की आवाज थी जो मेरे कानों में गरम शीशे सी जा रही थी।उस दिन सबके सामने संकोच वश, बस यही कह पाई कि पापा जी अगर यह मेरी लायबिलिटी है तो मेरे पास एसेट यानी परसम्पत्ति क्या है ? मुझे याद है कि सोना के पाप के बाद कैसे मैंने अपने को संभाला था !मैंने नौकरी के साथ-साथ अपनी पढ़ाई भी जारी रखी अगर उस समय मेरे पास यह नौकरी ना होती तो न जाने क्या होता !जीवन में परिस्थितियां कब कहां कैसी हो जाएं कौन जानता है? ईश्वर भी समय-समय पर हमसे बहुत परीक्षा लेता है पर भाग्य को भी तो बैठकर कोसा नहीं जा सकता। उस समय मैंने यह दृढ़ निश्चय किया कि कोई कुछ भी कहे मैं अपनी सोना को इतना पढ़ाऊंगी कि वह स्वयं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो जाय। फिर सोचूंगी उसके विवाह के बारे में । इसीलिए पहले इसे कॉलेज ग्रेजुएशन करवाई और फिर उच्च शिक्षा के लिए बाहर भेजा जो शायद मेरी हैसियत से बहुत ज्यादा था और इसने भी पूरा जीजान लगाकर अपनी पढ़ाई पूरी की और मेरी सारी थकान तो उस समय मिट गई जब यूनिवर्सिटी में इसमें अपने कोर्स में अव्वल दर्जा हासिल करके यूनिवर्सिटी से गोल्ड मेडल लिया और स्टेज पर सबके सामने अपने गले से उतार कर वह मेडल मेरे गले में डाल दिया; तब मैंने दूर बैठे अपने ससुर जी की ओर देखा तो ऐसा लगा कि ÷वह मुझसे कह रहे हों कि हां प्रेरणा तू सही थी मैं गलत सच में यह तेरी लायबिलिटी नहीं असेट्स है÷

दीपा शर्मा
फरीदाबाद हरियाणा

रिवाज

चौके में जाती हुई नयना को सासू मां ने आवाज लगाई, क्या करने जा रही हो इस समय? कुछ नहीं माँ, चाय बना रही हूं। अरे! किसके लिए बनायेगी? नयना ने पास में आकर धीरे से कहा, माँ अपने घर का काम चल रहा है ना,तो वो मजदूर बाबा काम करते थक गया है। उसे चाय पिला दूं तो ताजगी आ जायेगी। वैसे भी श्राद्ध पक्ष चल रहे हैं दान धर्म होना जरूरी है ना!! सही है बेटी। तुम इन सब का ध्यान रखती हो , लेकिन एक शिकायत है कि बाहर जाते समय उघाड़े सिर मत जाया करों, कितनी बार कहा तुम्हें। ऐसा कहते हुए माँ की आवाज थोड़ी तेज हो गई ।

माँ की आवाज सुनते ही रौनक कमरे से बाहर आकर बोला, माँ तुम्हारी बहू कॉलेज में प्रोफेसर हैं। जानती हो ना!!

जानती हूं, लेकिन उसे
घर के रिवाज सिखाने तो पड़ेंगे ना।

हां माँ सिखाओ, लेकिन आजकल की लड़कियां ये पुराने रिवाज कहां पसन्द करती है।

नयना ने प्यार से माँ की ओर देखा और चाय लेकर बाहर चली गई।

अरे बेटे, अपने घर बहू भी वो है,बेटी भी वह है।कुछ समझा दिया तो, क्या बिगड़ गया।

रौनक निःशब्द हो माँ के चेहरे को देखने लगा।

अमिता मराठे
इंदौर

दूरी

ओह, तो आपके बच्चे विदेश में हैं, बड़ी याद आती होगी आपको, दूरी भी इतनी कि मुँह देखने को तरस जाओ सिन्हा साब ने सुहानुभूतिपूर्ण लहजे मे कहा।

सहाब ,दूरी तो दिलों की होती है, दूर पास से कोई फ़र्क नही पड़ता खन्ना साहब ने हँसते हुए कहा।

पापा, आप यहाँ बैठकर गपे हांक रहे हैं, आपको पता है न मुझे और काजल को ऑफिस जाना है, रोहन की बस निकल गई, एक काम तो करते हैं आप उसको बस स्टॉप छोड़ने जाने का, अब मैं उसे स्कूल ले जाऊं या ऑफिस के लिए तैयार होऊं, अब आप देखना उसे दिनभर सिन्हा जी का बेटा गुस्से में बोला।

बेटा.. मैं बस आ ही रहा था.. सिन्हा जी ने शर्मिंदगी के भाव से कहा।

तभी खन्ना साहब का फोन बजा।विडिओ कॉल था।उधर से आवाज आई-

पापा, गुडमॉर्निंग, अच्छा तो अभी आप वॉक पर हैं, पापा हम तो शाम की चाय पी रहें हैं, पापा कल मेरा एक बहुत ज़रूरी अप्वाइंटमेंट है, और आपके आशीर्वाद की बहुत ज़रूरत, चरण स्पर्श पापा...

बेटा मेरा आशीर्वाद तो हमेशा तेरे साथ है, जीते रहो
लव यू पापा

सिन्हा साहब आहिस्ता आहिस्ता घर की तरफ बढ़ने लगे।

सच है , दूरियां दिलों में होती है

नम्रता सरन सोना
LIG-89 KOTRA SULTANABAD, BHOPAL M P.462003.
9425006890

अनंत स्मृति प्रसंग का आयोजन

इंदौर। वरिष्ठ कम्युनिस्ट एवं श्रमिक नेता तथा स्वतन्त्रता संग्राम के सहभागी कॉमरेड अनंत लागू के जन्मदिन के अवसर पर सिटी ट्रेड यूनियन कौन्सिल और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा अनंत स्मृति प्रसंग का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अनंत लागू के साथ सक्रिय विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, श्रमिक नेताओं और मित्रों ने उनके साथ जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि वे इंदौर में कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक थे और कॉमरेड होमी दाजी को उनने ही पार्टी से जोड़ा था। वे सभी विचारधारा, धर्म , समुदाय के लोगों को साथ लेकर चलते थे और उन्होंने अनेक नेता एवं कम्युनिस्ट कार्यकर्ता तैयार किए जो आज भी सक्रिय हैं। उनसे हमने विपरित परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना सीखा।

वे हमेशा हक और अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रेरणा और हौसला देते थे। सत्य और न्याय के लिए उनके आग्रह और प्रतिबद्धता को तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारी भी सम्मान देते थे और उन पर भरोसा करते थे। अनंत लागू ने इंदौर और निकट के क्षेत्र में लघु उद्योगों में कामगारों की यूनियन बनाने और उन्हें विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। वे सुधारवादी बोहरा आंदोलन की भी लगातार मदद करते रहे।

बीमा यूनियन से सुधाकर ऊर्ध्वरेशे, बैंक यूनियन के गजानन निमगांवकर, इंटक के श्याम सुन्दर यादव, बोहरा समाज के शब्बीर भाई, मुश्ताक भाई बड़नगरवाला, सीपीएम के कैलाश लिम्बोदिया, पीथमपुर यूनियन से यशवंत पैठनकर, प्रलेश से चुन्नी लाल वाधवानी, भाकपा से रुद्र पाल यादव के साथ ही प्रकाश पाठक, अजय लागू. शफी शेख, ओमप्रकाश खड़के ने भी अपनी स्मृति और विचार साझा किए। अध्यक्षता शैला शिन्त्रे ने की। अथर्व शिन्त्रे और नितिन ने जनगीत प्रस्तुत किए।

जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुनकर किया गया निराकरण

इंदौर। इंदौर में हर मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निराकरण किया गया। जरूरतमंदों को हाथों-हाथ मदद भी दी गई।

जनसुनवाई में आज अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका मौके पर निराकरण किया। जनसुनवाई में उन्होंने आज एक बालिका के ऑपरेशन के लिए 50 हजार रुपये की मदद रेडक्रॉस से स्वीकृत की। बताया गया कि 9 वर्ष की इस बच्ची के पीठ में विगत 3 वर्षों से कूबड़ निकल आया है। इससे उसे चलने में दिक्कत आती है। बच्ची के ऑपरेशन के लिए उक्त राशि स्वीकृत की गई। इसी तरह आज अन्य अपर कलेक्टरों सहित अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं का मौके पर ही यथासंभव निराकरण किया। जो समस्या निराकृत नहीं हो सकी उनके निराकरण के लिये समय-सीमा तय कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में आज भी दिव्यांगों की समस्याओं को विशेष रूप से सुना गया।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 90 वां स्थापना दिवस पर ग्राहक मिलन समारोह आयोजित

इंदौर। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर अंचल की विभिन्न शाखाओं एव अंचल कार्यालय इंदौर द्वारा ग्राहक मिलन समारोह आयोजित किया गया । बैंक ऑफ महाराष्ट्र इंदौर अंचल कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे इंदौर अंचल प्रमुख एम सत्यनारायणा ने उपस्थित सभी सम्मानीय ग्राहक , बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाए व्यक्त की और बताया कि बैंक लगातार सफलता के नए आयाम प्राप्त कर रहा है। श्री अश्विन पलसीकर जी, उपाध्यक्ष IMA (चार पीढ़ियो से बैंक से जुड़े है) कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे, उनके साथ श्री पारसमल देशलहरा जी, श्री उपेन्द्र जी धर कुलपति वैष्णव विश्व विद्यालय ,राजेश जैन अध्यक्ष जैन इंजीनियर सोसाइटी, महाबेंक परिवार की सेवा निवृत्त अधिकारी श्रीमती माया ढोने द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर बैंक से 50 वर्ष से जुड़े श्री माधव चितले जी ,सेवानिवृत सचिव केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय का बैंक द्वारा विशेष सम्मान किया गया । अतिथि स्वागत मुख्य प्रबंधक श्री पंकज गुप्ता ,लोकेश पटेल ,शैलेश कुमार , अजीत मीणा एवं सुश्री नीति त्रिपाठी द्वारा किया गया । कार्यक्रम का संचालन पल्लवी चौधरी ने किया ।कार्यक्रम समापन पर उप अंचल प्रमुख श्री अनुराग अनल में समस्त उपस्थित सम्मानित ग्राहक का महाबेंक परिवार की और से आभार प्रदर्शन किया।

समय पर मिली स्वास्थ्य सेवाओं से नन्हीं हंसिका को मिला नया जीवन

4 माह की आयु में नन्हीं हंसिका का हिमोग्लोबिन 2.4 ग्राम हो गया था

इन्दौर, राष्ट्रीय जनभावना। जीवन स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों से गुजर रहा हो और ऐसे समय में बेहतर स्वास्थ्य जांच और उपचार मिल जाए तो व्यक्ति का जीवन बच जाता है। जीवन बचाने की बात मात्र 4 माह के बच्चे की हो तो मदद के हाथ तत्काल आगे बढ़ जाते है। ऐसे ही कुछ परदेशीपुरा क्र. 45 स्थित आंगनवाडी केन्द्र पर हुआ। 26 जून 2024 के दिन आंगनवाडी केन्द्र पर सामान्य दिनों की तरह माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा था। इसी दौरान नन्हीं बच्ची हंसिका जो बेहद सुस्त सी लग रही थी और पहली नजर में उसे रक्त की कमी नजर आ रही थी। जांच दल में शामिल राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम का तत्काल बच्ची के हाव भाव की ओर ध्यान गया और उन्होंने उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया। स्वास्थ्य जांच में बच्ची का हिमोग्लोबिन 2.4 ग्राम ही पाया गया। सभी दंग रह गये और तत्काल परिजनों को बताया कि बच्ची को तत्काल ब्लड ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता है। नन्हीं हंसिका को बिना किसी देरी किये ब्लड ट्रांसफ्यूजन हेतु चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय इंदौर रेफर किया गया। इलाज की सारी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए अगले ही दिन नन्हीं हंसिका को ब्लड ट्रांसफ्यूजन किया गया। आज हंसिका पूरी तरह से स्वस्थ है और सामान्य बच्चों की तरह है।

हंसिका के पिता श्री धर्मेन्द्र मेहरा एवं माता श्रीमती मधु मेहरा कहते है कि आंगनबाड़ी पर होने वाली स्वास्थ्य जांच और आरबीएसके चिकित्सकों की टीम की त्वरित कार्रवाई से हमारी बेटी पूरी तरह से स्वस्थ है। उन्होंने बताया बीमार होने के समय हम कुछ समय नहीं पाए थे कि हंसिका क्यों सुस्त नजर आ रही थी। उसे दो-तीन दिन से दस्त लग रहे थे। सामान्य इलाज कराया था लेकिन आंगनवाडी केन्द्र में जाने के दौरान हमें मालूम हुआ कि हंसिका को रक्त की कमी है। तत्काल इलाज और ब्लड ट्रांसफ्यूजन होने से आज हंसिका को नया जीवन मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं तथा आरबीएसके का धन्यवाद देते हुए आभार माना। उन्होंने बताया हमारी बच्ची पूरी तरह से स्वस्थ है। उसका हिमोग्लोबिन 11 पॉइंट हो गया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के समस्त जिलों में आरबीएसके यूनिट है। आंगनवाडी केन्द्रों पर महिला एवं बाल विकास विभाग एवं आरबीएसके टीम के द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से किया जाता है। साथ ही किसी बच्चे को जन्मजात विकृति संबंधित बीमारी होने पर उसके उपचार एवं ऑपरेशन भी सुनिश्चित कराया जाता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ललिता लोधवाल ने बताया कि हंसिका का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। आरबीएसके चिकित्सकों के द्वारा हंसिका के माता-पिता को आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) आरंभ किया गया है, जो की स्वास्थ्य जाँच, प्रारंभिक स्वास्थ्य सेवाएं, बच्चों में बीमारियों को पहचानने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण तथा इस दृष्टिकोण को स्वास्थ्य सेवाओं, सहयता और उपचार आदि सेवाओं से जोड़ने की परिकल्पना करता है।

कैंसर के प्रति जागरूकता पर वेबीनार

इंदौर (मनीष शर्मा)। 23 सितंबर सोमवार को विश्व रोज़ डे के अवसर पर स्तन कैंसर जागरूकता एवं शीघ्र निदान प्रोजेक्ट 2024-25 के अंतर्गत आयुष समृद्धि की ओर से 1780 वां वेबीनार का आयोजन किया गया।

जिसमें इंदौर शहर के ख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञों ने भाग लेकर कैंसर से संबंधित जागरूकता एवं लक्षणों के बारे में एवं कैंसर का किस प्रकार जल्दी से जल्दी पता लगाया जा सके एवं इसका किस प्रकार विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों में इलाज हो इस पर विचार विमर्श किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में जागरूकता के अभाव में कैंसर का पता काफी देर से चलता है, इसलिए इसके बारे में जागरूकता आवश्यक है। कार्यक्रम में डॉ पवन गुप्ता सर्जिकल कैंसर विशेषज्ञ मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली, डॉ अखलेश भार्गव संचालक आयुर्वेद कैंसर यूनिट,शासकीय अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज इंदौर, डॉ पंकज सिंघई पेलिएटिव केयर अरविंदो मेडिकल कॉलेज, डॉ कृष्णा चौधरी मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट मुंबई ओको केयर, डॉ नम्रता चौधरी सर्जिकल ऑकोलॉजिस्ट एशियन कैंसर इंस्टीट्यूट ने भाग लिया।

डॉ भार्गव ने बताया कि कैंसर के मरीजों का आयुर्वेद में विश्वास बड़ा है तथा अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज इंदौर में पूरे देश से कैंसर के मरीज इलाज करने आ रहे हैं। कार्यक्रम के आयोजक डॉ पवन शर्मा, डा विनीत अग्निहोत्री डॉ विष्णु शर्मा उपस्थित रहे। वेबीनार में देश-विदेश के अनेक डॉक्टर ने भाग लेकर अपने ज्ञान का वर्धन किया।

राज्य स्तरिया बेसबॉल प्रतियोगिता में सेंट उमर के छात्रों-छात्राओ ने जीता स्वर्ण पदक

इंदौर । मंदसौर में आयोजित 32वीं जूनियर स्टेट बेसबॉल प्रतियोगिता में सेंट उमर हायर सेकेंडरी स्कूल इंदौर के अतहर खान 10 वी, सदफ नाज़ खान 11 वी और मिस्बा खान 10 वी ने इंदौर बेसबॉल टीम का प्रतिनिधित्व किया और इंदौर टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। इस उपलब्धि पर स्कूल प्राचार्य श्री सन्देश गुप्ता खेल अधिकारी डॉ रफ़ीक खान कोच रेहान खान व फाईजा अली एवं इस्लामिया करीमिया सोसाइटी की मेनेजिंग कमेटी ने बधाई दी।

निजी विश्वविद्यालय के 32 वॉइस चांसलर के ऊपर लटकी तलवार

15 दिन के अंदर कुलगुरुओं को हटाने के निर्देश

इंदौर। मध्य प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा अनुदान के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अनुसार निजी विश्वविद्यालयों में कुलगुरु के रूप में जो नियुक्तियां हुई हैं । उसमें यूजीसी के मापदंडों का पालन नहीं किया गया है। यूजीसी ने मध्य प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग को 15 दिन के अंदर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। मध्य प्रदेश में इस समय 53 निजी विश्वविद्यालय कार्यरत हैं। इसमें से 32 निजी विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर की नियुक्ति नियमानुसार नहीं की गई है। उच्च शिक्षा अनुदान आयोग के अनुसार वाइस चांसलर के लिए जो अर्हता निर्धारित है। उसके अनुसार वाइस चांसलर की नियुक्ति के लिए 10 साल का प्रोफेसर के पद पर कार्य करने का अनुभव जरूरी है। 32 निजी विश्वविद्यालय के जो वाइस चांसलर हैं। उनके पास 10 साल प्रोफेसर के रूप में पढाने का अनुभव नहीं है। कई कुलगुरु तो ऐसे बन गए हैं। जिन्होंने कभी भी प्रोफेसर के पद पर काम नहीं किया। उनका कोई एकेडमिक रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने विश्वविद्यालय खुद बनाया और स्वयं उसके वाइस चांसलर बन गए। यूजीसी ने मध्य प्रदेश में भोपाल के 8 इंदौर के 8 सीहोर के 3 ग्वालियर के 2 विदिशा रायसेन सतना खंडवा शिवपुरी दमोह छिंदवाड़ा मंदसौर बालाघाट सागर के एक-एक निजी विश्वविद्यालय के कुल गुरुओं को हटाने के आदेश दिए हैं। शासन स्तर पर आदेश जारी कर दिए गए हैं। इनका पालन होता है,या नहीं, इसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग में संशय की स्थिति बनी हुई है। कई वॉइस चांसलर राजनेताओं के परिवार से जुड़े हुए हैं। नियम पहले भी थे, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने इसका पालन नहीं किया था। इसका आगे पालन होगा, इसको लेकर प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं।

विषय का ठीक ज्ञान हो, यह बहुत आवश्यक

इंदौर। जीवन में माँ का बहुत महत्व है। कोई आवश्यक नहीं है कि आपकी पृष्ठभूमि मज़बूत हो तो ही आप राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में पढ़ सकते हैं या दायित्व ले सकते हैं। आपको विषय का ठीक ज्ञान हो, यह आवश्यक है। इसके लिए पुस्तकों का साथ लें। आप टॉप कर सकते हैं।

इंदौर इंटरनेशनल कॉलेज (सोलसिंदा) में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ कार्यक्रम में बतौर अतिथि यह बात अतिरिक्त उप-महाधिवक्ता (मप्र, उच्च न्यायालय) एडवोकेट सोनल ए. गुप्ता ने अपने जीवन की प्रेरणास्पद घटनाओं से विद्यार्थियों को रूबरू कराते हुए कही।

अतिथि रूप में विधायक रमेश मेंदोला, प्रख्यात सॉईकॉलॉजिस्ट डॉ. संदीप अत्रे, डीएसपी (इंदौर ग्रामीण) डॉ. उमाकांत चौधरी एवं प्रेरक वक्ता रवि गुर्जर (एफ.एम. रेडियो) भी उपस्थित रहे। संस्था के समूह निदेशक डॉ. पुनीत द्विवेदी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थान के संस्कार, अनुशासन, कार्य प्रणाली एवं विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से परिचित कराना था, जिसमें वरिष्ठ शिक्षकों ने प्रजेंटेशन के माध्यम से संस्थान के संबंध में जानकारी दी। संयोजिका प्राचार्य डॉ. नेहा शर्मा चौधरी रहीं। मुख्य वक्ता के रूप में मनोवैज्ञानिक डॉ. आत्रे ने अपने अनूठे अंदाज़ से विद्यार्थियों को जीवन की कई बारीकियों एवं वास्तविकताओं से परिचित कराया और कहा कि आज ही आप सभी को यह तय करना चाहिए कि यह कोर्स करने के बाद आप क्या बनेंगे ? पूर्व योजना ही पूर्ण योजना है।

दूसरे सत्र में प्रबंध, वाणिज्य आदि के विद्यार्थियों का दीक्षारंभ कार्यक्रम किया गया। मुख्य डीएसपी डॉ. चौधरी एवं वक्ता श्री गुर्जर की गरिमामय उपस्थिति रही। दोनों ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन का पाठ पढ़ाया। इस सत्र का संयोजन प्राचार्य डॉ. राजेश वर्मा ने किया।

आयोजन में विशेष उपस्थिति में रहे विधायक मेंदोला का सम्मान अक्षांशु तिवारी ने किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को रक्षा सूत्र बांधकर उत्कृष्ट शिक्षा देने का संकल्प लिया गया। समापन प्राचार्या डॉ. चौधरी के आभार ज्ञापन से हुआ।

मीडिएशन से डिसाइड किया गया एक मामला, 10 मामले मेरिट से डिसाइड करने के बराबर - प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

इंदौर , राष्ट्रीय जनभावना। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया के निर्देशन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में 22 सितम्बर से 24 सितम्बर 2024 तक तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला द्वारा दीप प्रज्वलित कर 22 सितम्बर को न्यायालय के कान्फ्रेंस हॉल में तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला द्वारा संस्कृत के एक श्लोक समः विचारः विवादं विद्यं समं ही विवादस्थ दूरस्थ समं विवादे सुखदे खयोमद समं विनं विवादः न कार्यः के माध्यम से मध्यस्थता शब्द की मूल भावना को व्यक्त किया गया। उनके द्वारा प्रतिभागीगण को अपने समाज में मुखिया की तरह कार्य करने हेतु कहा गया एवं प्रशिक्षण पश्चात समाज में मध्यस्थता की भूमिका का अच्छे से निर्वहन करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की गई । जिला उपभोक्ता फोरम भोपाल की अध्यक्ष एवं ट्रेनर श्रीमती गिरिबाला सिंह तथा पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. मोहम्मद शमीम द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से प्रतिभागीगण को मध्यस्थता अध्ययन के विषयों के संबंध जानकारी प्रदाय की गई एवं कृत्रिम अभ्यास-1 (राबर्ट विरुद्ध अरुण) का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिवस में डॉ. मोहम्मद शमीम एवं श्रीमती गिरिबाला सिंह द्वारा संचार कौशल के संबंध में प्रतिभागीगण को जानकारी प्रदाय की गई तथा कृत्रिम अभ्यास-(मोहन साफ्ट ड्रिंक का केस) का अभ्यास कराया गया। मनोवैज्ञानिक, मीडिएटर

तथा समाजसेविका श्रीमती पारुल वर्मा द्वारा मध्यस्थता हेतु मनोवैज्ञानिक पहलुओं के संबंध में प्रतिभागीगण को जानकारी प्रदाय की गई। कार्यक्रम के तीसरे दिवस में डॉ. मोहम्मद शमीम द्वारा समझौता अनुबंध लेखन का अभ्यास, कम्युनिटी मीडिएटर द्वारा ध्यान में रखे जाने योग्य नैतिक सिद्धान्त आदि विषयों के संबंध में पी.पी.टी. के माध्यम से जानकारी प्रदाय की गई। साथ ही प्रतिभागियों के सवाल-जवाब एवं सुझाव प्राप्त किये गये। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इन्दौर के सचिव श्री आसिफ अहमद अब्बासी द्वारा प्री-लिटिगेशन के संबंध में जानकारी प्रदाय की गई। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल माथुर द्वारा मध्यस्थता में प्रयुक्त होने वाले मानसिक क्रियाकलापों के संबंध में जानकारी प्रदाय की गई । तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया ने कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता संबंधी प्रयास दूसरे शहरों में भी किया गया, लेकिन उतना सफल नहीं हो पाया या उसकी गति बहुत धीमी है, परंतु इस मामले में इन्दौर सभी से अलग है। यदि मीडिएशन से सेटल नहीं हो सकता है तो उसमें अपनी ऊर्जा एवं समय का प्रयोग नहीं करना चाहिए। मीडिएशन स्वेच्छा से होता है, इसके लिए दबाव डालने की आवश्यकता नहीं है। मीडिएशन कठिन और मेहनत का काम है। उन्होंने कहा कि मीडिएशन से डिसाइड किया गया एक मामला, 10 मामले मेरिट से डिसाइड करने के बराबर है। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी अधिकारी श्री मिथिलेश डेहरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद प्रस्ताव प्रिंसिपल रजिस्ट्रार/सचिव उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर श्री अनूप कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में ओ.एस.डी/रजिस्ट्रार श्री नवीन पाराशर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आसिफ अहमद अब्बासी, उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ इन्दौर के अध्यक्ष श्री रितेश ईनाणी, सचिव उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ श्री भुवन गौतम, उपाध्यक्ष उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ श्री यषपाल राठौर एवं बार कार्यकारिणी के सदस्य श्री प्रभात पाण्डेय, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक तथा श्री मिथिलेश डेहरिया एवं विधिक सेवा समिति के कर्मचारी के साथ विभिन्न समुदायों के प्रबुद्धजन सम्मिलित थे।

युवा उद्यमी अमित प्रजापति सेज क्रिएटर्स अवार्ड से सम्मानित

इंदौर। 19 वर्षीय अमित प्रजापति ने अपने कम उम्र में ही बड़ी उपलब्धियों को हासिल कर सबको प्रेरित किया है। हाल ही में, उन्हें साज क्रिएटर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया, जो साज समूह की कार्यकारी निदेशक साक्षी अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान उनके संघर्ष, समर्पण और उद्यमिता की भावना को दर्शाता है।

अमित ने केवल 15 वर्ष की उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने अपनी पहली कंपनी मॉम्स मैजिक पिकल इंडिया की सह-स्थापना की, जो अब देशभर में लोकप्रिय हो चुकी है। इस कंपनी का उद्देश्य घर के बने अचारों को आधुनिक तरीके से पेश करना है। अमित ने यह साबित किया है कि युवा सोच और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

इसके साथ ही, अमित ने एडवर्स इंडिया नामक एक डिजिटल मार्केटिंग कंपनी भी स्थापित की है। इस कंपनी के माध्यम से, वह छोटे व्यवसायों को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर स्थापित करने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ÷मैं हमेशा से मानता था कि सही दिशा में मेहनत करने से हर मुश्किल को पार किया जा सकता है।÷

अमित एक पॉडकास्टर भी हैं और उन्होंने जोशटॉक्स जैसे मंचों पर अपनी बातें साझा की हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, ÷अगर आपके पास एक सपना है, तो उसे पूरा करने की दिशा में मेहनत करें। असफलता से डरें नहीं, क्योंकि यही हमें आगे बढ़ने का मौका देती है।÷

संत कबीर सहकारी साख संस्था की आमसभा संपन्न

इंदौर। संत कबीर सहकारी साख संस्था मर्यादित की आमसभा का आयोजन शक्खर अमितेश नगर चोइथराम मंडी पर आयोजित किया गया संस्था के मुख्य अतिथि श्री यशवंत सिंह परमार रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधीश इंदौर अध्यक्ष रणजीत सिंह बालोदिया का स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देखें उनका सम्मान भी किया गया अध्यक्ष रणजीत सिंह बालोदिया जी ने बताया कि हमारी संस्था विगत 2 वर्षों से संस्था का लेखा-जोखा संस्था के सदस्य के सामने रखते हैं संचालक कैलाश चौहान ने भी समाज जन को संबोधित किया।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह द्वारा सामूहिक जितिया उत्सव मनाया गया

इंदौर। जितिया महापर्व के एक दिन पूर्व शहर के मैथिल समाज के महिलाओं संस्था की सखी बहिनपा मैथिलानी समूह द्वारा सामूहित जितिया उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या मैथिल समाज की महिलाएं सम्मिलित हुई।

उत्सव की शुरुआत महिलाओं द्वारा महाकवि विद्यापति की फोटो पर माल्यार्पण के साथ हुआ। तत्पश्चात समाज की महिलाओं द्वारा जितिया त्यौहार पर आधारित मैथिलि लोक गीतों की प्रस्तुतियां दी गयी। इस अवसर पर समारोह में उपस्थित सभी महिलाओं को चुरा, मरुआ का आटा एवं सौभाग्य सामग्री का वितरण खोंछी भर कर किया गया।

तत्पश्चात महिलाओं के बीच चुरा, दही, मिष्ठान सहित मिथिला के अन्य व्यंजनों को भोजन हेतु परोसा गया। इस अवसर पर पुरे शहर से बड़ी संख्या में मैथिल महिलाएं उपस्थित थीं।

मैथलानी समूह की ऋतु झा, शारदा झा, कविता झा, सुषमा झा ने जानकारी देते हुए कहा कि जितिया महाव्रत में व्रती महिलाएं अपने संतान के दीर्घ जीवन हेतु कठोर निर्जल उपवास रखतीं हैं। उन्होंने कहा कि मान्यता के अनुसार, इस व्रत के करने से संतान को दीर्घ आयु एवं निरोगता प्राप्त होती है।

ई-रिक्शा रूट के निर्धारण हेतु उप समिति का गठन

इंदौर। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के परिपालन इंदौर में यातायात व्यवस्था में सुधार लाने और सुचारु बनाने के लिए ई-रिक्शा के रूट का निर्धारण किया जाना है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने ई-रिक्शा रूट के निर्धारण हेतु उप समिति का गठन किया है।

इस समिति में स्मार्ट सिटी(एआईसीटीएसएल) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अध्यक्ष रहेंगे। समिति में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री अतुल सेठ तथा प्रो. शरद नाईक सदस्य होंगे।

बगैर अमले के कैसे कसें साइबर अपराधियों पर शिकंजा

ढाई लाख है शिकायतें, कर्मचारी मात्र ढाई सौ

इंदौर। मध्यप्रदेश ऐसा राज्य बन चुका है जहां पर आए दिन साइबर ठग अपना कमाल दिखाते हुए लोगों को ठग रहे हैं। इसकी वजह से कई लोगों की तो पूरी जिंदगी भर की कमाई तक चली गई है। इसके बाद भी प्रदेश में साइबर ठगों पर प्रभावी कार्रवाई होती नहीं दिख रही है। इसकी वजह है अमले की कमी होना।

अगर सरकारी आंकड़ों को सही माने तो इस साल जुलाई तक लोगों से धोखाधड़ी कर 235 करोड़ रुपये की ठगी की जा चुकी है। अहम बात यह है कि ठगी करने वाले बदमाश किसी को नहीं छोड़ रहे हैं, फिर चाहे आईएएस, आईपीएस अफसर हों या फिर नेता। वे इतने बैखोफ हैं कि उन्हें पुलिस कार्रवाई तक का डर नही रह गया है।

यही वजह है कि अब तक साल के सात माह में ही पुलिस तक वित्तीय साइबर अपराध की 37 हजार शिकायतें आ चुकी हैं। यह तो आंकड़ा वह है जिनकी शिकायतें पुलिस तक पहुंची हैं, जबकि करीब इतने ही मामले ऐसे संभावित हं, जो पुलिस तक पहुंचे ही नही हैं। इसके बाद भी सरकार ऐसे मामलों में गंभीरता नहीं दिखा रही है। हालात यह कि प्रदेश में कुल ढाई लाख साइबर अपराध की शिकायतें लंबित हैं, जिन पर कार्रवाई करने का जिम्मा महज ढाई सौ कर्मचारियों पर है।

डेढ़ साल से लंबित है नए थानों का मामला

प्रदेश के हर जिले में एक साइबर थाना और प्रदेश के हर थाने में साइबर सेल बनाने का प्रस्ताव लगभग डेढ़ वर्ष से लंबित है।

बजट की कमी के चलते इसे स्वीकृति नहीं मिल पा रही है। इसके अतिरिक्त साइबर की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए प्रदेश में पर्याप्त अमला भी नहीं है। स्थिति यह है कि वर्ष 2018 में 290 अधिकारी कर्मचारियों का अमला सरकार ने स्वीकृत किया था।

तब शिकायतों की संख्या पांच हजार से कम रहती थी। शिकायतों की संख्या लगातार बढ़ते हुए अब प्रतिवर्ष ढाई लाख से अधिक पहुंच गई है, पर नए पद स्वीकृत करने की जगह पुराने में ही लगभग 70 पद रिक्त हैं।

विशेषज्ञों की भी पर्याप्त टीम पुलिस के पास नहीं है। दक्ष लोगों की अलग से भर्ती करने की जगह पहले से कार्यरत पुलिसकर्मियों को अलंग-अलग श्रेणी का प्रशिक्षण देकर साइबर का काम लिया जा रहा है। कुछ पुलिसकर्मियों को छह माह का प्रशिक्षण दिया गया है। सुरक्षा का विषय होने के कारण निजी साइबर एक्सपर्ट की सेवाएं भी पुलिस नहीं ले पा रही है।

प्रदेश में एकमात्र साइबर थाना भोपाल में

प्रदेश में एकमात्र साइबर थाना भोपाल में है। प्रदेश भर की शिकायतों पर कार्रवाई का बोझ इसी एकमात्र थाने पर होता है। कम अमले और काम अधिक होने की वजह से समय पर जांच तक नहीं हो पाती है।

इस तरह की समस्याएं

- शिकायतों का विश्लेषण नहीं हो पाता कि वित्तीय साइबर अपराध में किस-किस तरह की ठगी के. कितने मामले हैं।
- बल कम होने से इंटरनेट प्रोवाइडर, मोबाइल फोन कंपनियां, बैंक आदि से समन्वय में भी अधिक समय लगता है।
- ठगों को पकडऩे दूसरे राज्यों में टीम भेजना कठिन होता है।
- इन सब कारणों से पीड़ितों से ठगी गई राशि में से लगभग 12 प्रतिशत की ही वसूली हो पा रही है।

शेल्बी हॉस्पिटल्स में टोटल हिप रिप्लेसमेंट, लंबे समय तक असरदार परिणामों के साथ

इंदौर। शेल्बी हॉस्पिटल्स, इंदौर को डायरेक्ट एन्टीरियर एप्रोच (डीएए) तकनीक और इनोवेटिव टेपरसेटइ्र और सीएस2इ्र उत्पादों के संयोजन का उपयोग करके भारत में अपनी पहली टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के सफल समापन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है।

मिनिमली इनवेसिव डायरेक्ट एन्टीरियर अप्रोच (डीएए) तकनीक और विटामिन-ई लाइनर्स के साथ, जो पहनने की दर को कम करने में मदद करते हैं, हिप रिप्लेसमेंट अब जीवन भर चलने की उम्मीद की जा सकती है। 3 सितंबर, 2024 को की गई इस सर्जरी का नेतृत्व अनुभवी जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. विकास जैन ने किया था। यह सर्जरी 64 वर्षीय एक मरीज पर की गई थी जो गठिया के कारण लंबे समय से कूल्हे के दर्द से पीड़ित थे। एक सामान्य हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी 15-20 साल तक चलती है, लेकिन डीएए तकनीक और विटामिन-ई एसीटेबुलर लाइनर्स के उपयोग से की गई यह हिप सर्जरी मरीज के जीवन भर चलने की उम्मीद है। मानक अल्ट्रा हाई आणविक भार पॉलीथीन (यूएचएमडब्ल्यूपीई) लाइनर्स के बजाय क्रॉस-लिंक्ड पॉलीथीन (एक्सएलपीई) विटामिन-ई लाइनर्स का उपयोग करके ऑस्टियोलाइसिस के घिसाव और जोखिम में महत्वपूर्ण कमी प्राप्त की जा सकती है।

डॉ. जैन ने विटालिटई (विटामिन-ई) पॉली सीएस2इ्र लाइनर पर एसएटी के टेपरसेटइ्र स्टेम और सिरेमिक फेमोरल हेड के साथ-साथ डीएए विधि सहित अत्याधुनिक सर्जिकल तकनीकों और उपकरणों का इस्तेमाल किया। यह प्रक्रिया एक ज़बरदस्त सफलता थी, उम्मीद थी कि मरीज़ पूरी तरह से ठीक हो जाएगा, महत्वपूर्ण गति प्राप्त कर लेगा और थोड़े समय में सामान्य दैनिक गतिविधियों में वापस आ जाएगा।

टेपरसेटइ्र स्टेम मानक और रिड्यूस्ड डिस्टल प्रोफाइल (आरडीपी) विकल्पों में उपलब्ध हैं। आरडीपी स्टेम विशेष रूप से फीमर के समीपस्थ-डिस्टल बेमेल को कम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो शारीरिक बेमेल वाले रोगियों में जांघ के दर्द को रोकने में मदद करते हैं।

रासेयो स्थापना दिवस मनाया गया

इंदौर। श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स इन्दौर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर परकार्यक्रम कीअध्यक्षता करते हुएप्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी जी ने कहा कि- इंदौर की पहचान स्वच्छता के लिए जग प्रसिध्द है।

हमें अपने गली मोहल्ले,कॉलेज परिसर को स्वच्छ बनाया रखने में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो.विभोर ऐरन ने कहा कि-रासेयो देश सेवा का अच्छा माध्यम है। रेड रिबन प्रभारी डॉ. अनिल शर्मा ने रक्तदान सम्बंधित बातें समझाई गई। कार्यक्रम में 77 विद्यार्थियों एवं कॉलेज फैकल्टी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रणव श्रोत्रिय ने लिया एवं आभार छात्रा इकाई प्रभारी डॉ. गायत्री पलोड ने व्यक्त किया।

संतान की लम्बी आयु के लिए महिलाएं रखती हैं 36 घंटे का निर्जला उपवास

इंदौर। संतान की लम्बी आयु , अच्छे स्वास्थ्य लिए मैथिल एवं पूर्वोत्तर समाज की महिलाओं द्वारा किये जा रहे दो दिवसीय जितिया (जीवित्पुत्रिका) व्रत का समापन बुधवार शाम पांच बजकर पांच मिनट पर पारण के साथ होगा। पारण से पूर्व व्रती महिलाएं स्नान कर जितवाहन की पूजा कर चील-सियारों की कथा कहेंगी।

पारण के साथ मैथिल, पूर्वोत्तर समाज की महिलाओं के दो दिवसीय जितिया महाव्रत का आज होगा समापन

फिर खीरा, भींगे केराव का प्रसाद जितवाहन एवं चील सियारो को चढ़ा कर तथा इस प्रसाद को ग्रहण कर अपना व्रत तोड़ेंगी। जितिया महाव्रत की शुरुआत मंगलवार प्रातःकाल 4.30 बजे से ओठगन के साथ हुई। व्रती महिलाओं द्वारा ब्रम्ह मुहूर्त में उठकर, नित्य कर्म से निवृत होकर स्नान किया। तत्पश्चात पूजा अर्चना कर, जल, नारियल पानी ग्रहण करने के पश्चात उनका दो दिवसीय निर्जला उपवास शुरू हुआ।

संतान की दीर्घ आयु, आरोग्य के लिए महिलाएं करती हैं जितिया महाव्रत। तुलसी नगर निवासी शारदा झा ने कहा कि हिंदू धर्म में जितिया एक अति महत्वपूर्ण महाव्रत है, जो मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा बिहार, उत्तर प्रदेश, एवं झारखंड में मनाया जाता है। इस व्रत को महिलाएं अपनी संतान की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए रखती हैं।

सत्या शक्ति फाउंडेशन ने किया मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

इंदौर। सत्या शक्ति फाउंडेशन ने सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड के सहयोग से मुफ्त मेगा हेल्थ चेक-अप ड्राइव आयोजित करने की एक बड़ी पहल की है, जिसका उद्देश्य मध्य प्रदेश के लोगों के समक्ष निवारक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा कर एक स्वस्थ समाज को बढ़ावा देना है। इन शिविर का आयोजन मुख्य रूप से अहिर खेड़ी, पंवासा और सुठालिया में किया गया ।

इस पहल से मध्य प्रदेश में लगभग 300 से अधिक लोग प्रमाणित डॉक्टरों से बिल्कुल मुफ्त विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त करने में सक्षम बन पाए।

इसी के साथ साथ शिविर में आने वाले लोगों को अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने एवं आवश्यक जीवन शैली में बदलाव करने के लिए भी प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक डाक्टरी मार्गदर्शन और नेतृत्व में इन स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सामुदायिक केंद्र के परिसर में किया गया। स्वास्थ्य शिविर में सभी लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया, जिसमें मां एवं बच्चे की देखभाल से लेकर, आहार और पोषण, सामान्य दवाइयाँ, हाइपरटेंशन टेस्ट, ब्लड शुगर टेस्ट, ब्लड प्रेशर आदि के साथ-साथ आयुर्वेदिक सलाह भी एमबीबीएस डॉक्टरों के द्वारा मुहैय्या करवाई गई।

इस पर अपने सुविचार साझा करते हुए सत्या शक्ति फाउंडेशन की निदेशक और सीईओ, शिखा शर्मा ने कहा, स्वास्थ्य शिविर उन लोगों की सहायता करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है, जिन्हें स्वास्थ्य पर ध्यान देने की अत्याधिक आवश्यकता है, और हम इसका संचालन कर बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

सुहाना सफर और ये मौसम हसीं, 29 सितंबर को

इंदौर। हाई कोर्ट अधिवक्ताओं की संस्था इंदौर अभिभाषक कल्याण समिति का आगामी सांगीतिक आयोजन, जाल सभागृह में किया जा रहा है संस्था के अध्यक्ष सीनियर वकील अमर सिंह राठौर ने बताया है संस्था का ये पहला सांगीतिक शो है जिसमे करीब 30 अधिवक्ता अपने गीतों की प्रस्तुति देंगे ।

इन्हें इंदौर के ख्यात गायक और प्रशिक्षक डॉ अमन काज़ी द्वारा पिछले तीन महीनों के प्रशिक्षण में तैयार किया है। संगीत सयोजन रूपक जाधव का है।

वनरक्षकों से वेतन बैंड में दी गई अतिरिक्त राशि न वसूली जाए

वनरक्षकों ने वनमंत्री और पीसीसीएफ को ज्ञापन सौंपा, कहा

इंदौर। मप्र वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ ने वनमंत्री रामनिवास रावत और वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपकर वेतन बैंड में दी गई अतिरिक्त राशि वनरक्षकों से वसूल नहीं करने की मांग की है। कर्मचारियों ने बताया कि भर्ती नियम 2000 की अनुसूची-3 में उल्लेख है कि वनरक्षक का पद सीधी भर्ती का है, पर वित्त विभाग इसे पदोन्नति का पद मानकर रिकवरी कर रहा है।

संघ के अध्यक्ष रामयश मौर्य ने बताया कि मप्र तृतीय वर्ग अलिपिकीय भर्ती नियम 1967 एवं भर्ती नियम 2001 में वनरक्षकों के वेतनमानों में भिन्नता होने के कारण 6वें वेतनमान में विसंगति निर्मित हुई है। संघ कई साल से वनरक्षकों का एक पद, एक वेतनमान मांग रहा है। विभाग ने 8 सितंबर 2014 को मप्र तृतीय श्रेणी अलिपिकीय वन सेवा भर्ती नियम 2000 में संशोधन किया।

जबकि छत्तीसगढ़ शासन ने वेतन विसंगति को देखते हुए 20 जुलाई 2023 को वन विभाग में विभागीय सेटअप स्वीकृति दिनांक 26 मार्च 2003 के बाद नियुक्त समस्त वनरक्षकों का वेतनमान 3050-4590 मान्य किया है। मौर्य बताते हैं कि वित्त विभाग ने संघ की मांगों को यह कहकर खारिज कर दिया कि प्रशिक्षित वनरक्षक सीधी भर्ती का पद नहीं है। वनरक्षकों की भर्ती मप्र तृतीय श्रेणी अलिपिकीय वन सेवा भर्ती नियम 2000 के आधार पर हुई है। उक्त भर्ती नियम में वनरक्षक के पद के लिए प्रशिक्षित और अप्रशिक्षित पद का कहीं भी उल्लेख नहीं है।

भर्ती नियम की अनुसूची 5 में कनिष्ठ वेतनमान और वरिष्ठ वेतनमान का उल्लेख जरूर है। उन्होंने कहा कि विभाग में यह बड़ी विडंबना है कि एक ही पद के लिए दो वेतनमान हैं। इस कारण 8 सितंबर 2014 के बाद नियुक्त वनरक्षकों को पूर्व से नियुक्त वनरक्षकों से अधिक वेतन मिल रहा है।

छग के समान लाभ दिया जाए कर्मचारियों ने कहा कि यह बड़ी मसला है कि बड़ी संख्या में वनरक्षक रिकवरी के दायरे में आ रहे हैं। इस मुद्दे का पूरा परीक्षण कराकर छत्तीसगढ़ सरकार की तरह सभी वनरक्षकों को 1 जनवरी 2006 से समान लाभ दे दिया जाए। ऐसा करने पर ही यह विसंगति हमेशा के लिए सुधर पाएगी।

पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव ने वनरक्षकों की पूरी बात सुनी और 7 दिन बाद फिर से बुलाया है। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि 1 जनवरी 2006 से 5680+1900 का वेतनमान दिलाने के पूरे प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप ने प्रमाण पत्र भेंट किया

रतलाम। भोपाल में मंत्री परिषद की बैठक से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने रतलाम के विनोबा सीएम राइज स्कूल को विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार 2024 का प्रमाण पत्र भेंट किया गया। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि लंदन की ञ्4 एजुकेशन संस्था द्वारा रतलाम के इस स्कूल को नवाचार श्रेणी में शीर्ष तीन फाइनलिस्ट में शामिल किया गया है और उसके संबंध में प्रमाण पत्र सौंपा गया है।

बोहरा कब्रस्तान पर वॉल पेंटिग कर दिया स्वच्छता का संदेश

रतलाम। 17 से 2 अक्टूबर तक चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत महापौर प्रहलाद पटेल के निर्देशानुसार बोहरा कब्रस्तान की बॉउण्ड्रीवॉल पर वॉल पेंटिग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रिय पार्षद रणजीत टांक के अलावा मनोज झालानी, ललीत मूणत स्वच्छता चैम्पीयन, मुर्तजाजी व प्रतिभागियों ने स्वच्छता का संदेश देने वाली चित्रकारी कर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थितों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। इसके अलावा वार्डवार सफाई मित्रों का सम्मान व शासकीय योजनाओं का लाभ दिये जाने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। वॉल पेंटिग प्रतियोगिता में षासकीय उत्कृश्ट विद्यालय, जैन स्कूल, सांईश्री ऐकेडमी के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। स्वच्छता अभियान के तहत आज विभिन्न गतिविधियों को आयोजनद्ध 17 से 2 अक्टूबर तक चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत आज 25 सितम्बर बुधवार को प्रातः 11 बजे नगर निगम कार्यालय, कुशाभाउ ठाकरे तरणताल व अलकापुरी कम्युनिटी हॉल पर बर्तन बैंक, झोला बैंक, कपड़ा बैंक, श्रीआर सेन्टर का प्रचार प्रसार किया जायेगा, वार्डवार सफाई मित्रों का सम्मान व शासकीय योजनाओं का लाभ दिये जाने हेतु शिविर का आयोजन किया जायेगा। नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की जाती है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में रतलाम नगर को स्वच्छता में नम्बर 1 बनाये जाने हेतु स्वच्छता अभियान के तहत 24 सितम्बर मंगलवार को आयोजित विभिन्न गतिविधियों में अधिकाधिक की संख्या में उपस्थित रहकर आयोजित कार्यक्रमों को सफल बनावें।

पुणे-निजामुद्दीन क मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रतलाम। आगामी त्योहारों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए रतलाम मंडल से होकर पुणे से निजामुद्दीन के मध्य स्पेशल ट्रेन के दोनों दिशाओं में कुल 4 फेरों का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 01491 पुणे निजामुद्दीन स्पेशल 25 अक्टूबर एवं 01 नवम्बर को पुणे से शुक्रवार को 17.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम जंक्शन(06.40/06.50, शनिवार) होते हुए शनिवार को 19.00 बजे निजामुद्दीन स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 01492 निजामुद्दीन पुणे स्पेशल 26 अक्टूबर एवं 02 नवम्बर को निजामुद्दीन से शनिवार को 22.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम जंक्शन (10.20/10.30, रविवार) होते हुए रविवार को 23.55 बजे पुणे स्टेशन पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में चिंचवड, लोनावाला, कल्याण, बसई रोड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर एवं मथुरा स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। इस ट्रेन में एक सेकंड एसी, चार थर्ड एसी, 11 स्लीपर एवं 4 सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेनों के ठहराव,संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianræail.gàæv.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रतलाम मंडल में स्वच्छता स्लोगनों के संदेश के साथ डोर टू डोर कैपेन

रतलाम। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों में 24 सितम्बर, 2024 को डोर-टू-डोर कैपेन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत मंडल के रतलाम, उज्जैन, इंदौर, दाहोद, चित्तौड़गढ़, नीमच, मंदसौर, देवास, सीहोर, डॉ. अम्बेडकर नगर सहित अन्य स्टेशनों पर कार्यालयों एवं रेलवे कॉलोनियों में विभिन्न विभागों द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरुकता लाने के लिए स्वच्छता का रखो ध्यान, तभी बनेगा देश महान एवं अन्य स्लोगनों के उद्घोष के साथ स्वच्छता स्लोगन की तख्तियाँ लेकर डोर-टू-डोर कैपेन चलाया गया।

इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग, यांत्रिक विभाग के साथ ही अन्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा काफी उत्साह के साथ भाग लिया गया। इस कैपेन में मंडल पर लगभग 400 से अधिक कर्मचारियो एवं सफाई कर्मियों ने अपना योगदान दिया।

24 सितम्बर 2024 को एआरटी(दुर्घटना राहत गाड़ी) उज्जैन स्टाफ द्वारा एआरटी की एचआरडी स्प्रेडर टेस्टिंग हेतु उपकरण बनाया गया। जिसमें उज्जैन सिक लाइन यार्ड में रखे हुए स्क्रैप मैटेरियल जैसे पुरानी मेटल प्लेट्स, ईएम पैड की स्क्रैप प्लेट, वैगन की डिफेक्टिव एसएबी स्प्रिंग, पुरानी मेटल रॉड का उपयोग किया गया द्य इसी प्रकार वेस्ट से आर्ट अभियान के तहत दाहोद वर्कशॉप के कर्मचारियों द्वारा भी आकर्षक कलाकृतियां बनाई गई है।

छात्राओं की शिकायत पर हॉस्टल अधीक्षिका निलंबित

प्राचार्य को नोटिस, छात्राओं की मांग अनुसार विज्ञान विषयों के लिए शिक्षकों का पैनल उपलब्ध रहेगा

रतलाम।

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार के अवसर पर स्थानीय कन्या शिक्षा परिसर सागोद रोड की छात्राओं द्वारा कलेक्टर श्री राजेश बाथम से मिलकर शैक्षणिक समस्याओं के संबंध में शिकायत की।

कलेक्टर श्री बाथम ने संवेदनशीलता से छात्राओं को कलेक्टर चेंबर में कुर्सियों पर बिठाकर रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनी, तत्काल सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को समक्ष में बुलाया। छात्राओं की समस्या सुनकर कलेक्टर ने हॉस्टल अधीक्षका सुनीता झरी को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। प्राचार्य गणतंत्र मेहता को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त को छात्राओं की मांग के अनुसार तत्काल शिक्षकों की परिवर्तित व्यवस्था के निर्देश दिए। कलेक्टर ने फिजिक्स, केमिस्ट्री तथा अन्य विषयों की पढ़ाई के लिए छात्राओं की मांग के अनुसार शिक्षक पैनल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही अतिरिक्त रूप से कक्षाओं के संचालन हेतु निर्देशित किया। इस दौरान एडीएम श्री आर.एस. मण्डलोई भी उपस्थित थे।

छात्राओं को स्वल्पाहार करवाया वाहनों से हॉस्टल तक पहुंचाया

संवेदनशील कलेक्टर राजेश बाथम ने कलेक्ट्रेट आई छात्राओं की समस्याओं के निराकरण पश्चात उनको अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव के साथ समीप के इंडियन

कॉफी हाउस मे स्वल्पाहार करवाया। पश्चात वाहनों की व्यवस्था कर छात्राओं को उनके हॉस्टल तक वापस पहुंचाया।

जनसुनवाई के दौरान नामली निवासी राधेश्याम पडियार ने आवेदन देते हुए बताया कि प्रार्थी के परिजनों की रेलवे लाईन से लगी हुई कृशि भूमि है जिसे हम रेलवे को देने को तैयार हैं। साथ ही इसी भूमि का एक हिस्सा जो हमारा ही है पटवारी ने सांठगाठ कर नामली निवासी एक व्यक्ति के नाम पर दिया है। उक्त भूमि का मुआवजा हमें प्राप्त न होकर अन्य व्यक्ति को दे दिया गया है जिसे दिलवाने की कृपा करें। आवेदन निराकरण के लिए तहसीलदार ग्रामीण के प्रेशित किया गया है।

जनसुनवाई के दौरान सम्यक गोल्ड सिटी निवासियों ने बताया कि जिस कालोनी में हम निवास करते हैं उसमें काफी समस्याएं व्याप्त हैं पूर्व में भी इस सम्बन्ध में जनसुनवाई के दौरान आवेदन दिया गया था, जिसमें कहा गया था कि नगर निगम द्वारा एक मा में आपसी समस्याओं का समाधान करवा दिया जाएगा, परन्तु आज दिनांक तक समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। कृपया निराकरण करवाया जाए। आवेदन निराकरण के लिए नगर निगम को प्रेशित किया गया है।

राजीव नगर रतलाम निवासी भूपेन्द्रसिंह दया ने बताया कि प्रार्थी के निवास स्थान के आसपास नालियां बनी हुई है जिसका पानी निवास के पीछे की ओर निकलता है और आए दिन निवास के समीप पानी जमा होने के कारण घर के अन्दर भी पानी का भराव होता रहता है। जिस स्थान से नाली निकल रही है उस स्थान से कुछ ही दूरी पर नाली पर कच्चा मकान बना दिया गया है जिससे पानी का एकत्रीकरण प्रार्थी के घर पर हो रहा है। कृपया समस्या से मुक्ति दिलवाई जाए। आवेदन निराकरण के लिए स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम को प्रेशित किया गया है।

ग्राम नगरा निवासी जितेन्द्रसिंह डोडिया ने जनसुनवाई के दौरान आवेदन देते हुए बताया कि प्रार्थी रतलाम स्थित इफ्का लेबोरेटरी में कार्यरत था। वर्ष 2019 में दुर्घटना में घायल होने के दो साल बाद तक उपचाररत रहा। इस अवधि में इफ्का नहीं जाने से मुझे निकाल दिया गया था और मेरी किसी प्रकार की सहायता नहीं की गई। कृपया इफ्का लेबोरेटरी से पेंशन दिलगईं जाए। आवेदन निराकरण के लिए श्रम विभाग को प्रेशित किया गया है।।

सनातन धर्म में सोलह संस्कार होते हैं - पण्डित अशोक उपाध्याय

रतलाम। श्राध्द पक्ष में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री मद भागवात कथा का आयोजन श्री त्रिनेंत्र महाकांल मन्दिर सार्वजनिक ट्रस्ट दिनदयाल नगर पर श्री कथा का वाचन सुप्रसिद्ध भागवताचार्य कथा वाचक प. श्री अशोक जी उपाध्याय के मुखागरविद् से वाचन किया जा रहा है। कथा मे श्री कृष्णा जी का जन्म करावास मे हुआ यहा से वासुदेव जी मथुरा से गोकुल मै नन्दबाबा और यशोदा के यहा लेकर आये जहां पर कृष्ण जन्म उत्सव मनाया गया कंस मामा द्वारा कृष्ण जी को मारने के लिए पुतना नाम की राक्षशी को भेजा जिसका भगवान श्री

कृष्ण मारकर उद्धार कीया इसलिऐ भगवान भक्तो का भी उध्दार करते है हमारे सनातन धर्म मे सोलाह संस्कार होते हैं ओर हर संस्कार मैं देवताओ का पुजन होता है ओर हमारे पूर्वजों का पुजन होता है श्री कृष्ण ने बालपन मे अनेको लीलाएं की श्री कृष्णा जी ने अनेको राक्षसो का अंत कर उद्धार किया मनुष्यों कि इच्छा कभी भी समाप्त नही होती है इसलिए जो भी ईश्वर ने हमें दिया है उसमे ही संतोष करना चाहिए जीवन की गाडी दो पहिऐ से चलती इसलिऐ धर्म ओर कर्म की गाडी के पहिए का बराबर बेलेन्स बनाकर चलना चाहिए यमुना नदी के बैठे कालीया नाग का उद्धार किया तन की शुद्धी होती है स्नान करने से मन की शुद्धी होती है ईश्वर की भक्ति करने से ओर धन की शुध्दी होती है दान करने से होती है हमे प्राकृतिक सौंदर्य का संरक्षण करना चाहिये इसलिए भगवान ने गोवर्धन पर्वत की पूजा कराई इन्द्र देव की अधिक वर्षा से रक्षा करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उगली पर उठ्राया और सभी भक्तो की रक्षा की सभी का सारांश बताया गया।

सीएम हेल्पलाइन में अधिकाधिक शिकायतों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक किया जाए

रतलाम। समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री राजेश बाथम की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में कलेक्टर द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाइन में आधिकाधिक शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण करके अपने विभाग की रैंकिंग को उच्च स्तर पर ले जाएं। सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि आगामी शनिवार को पुनः सीएम हेल्पलाइन की विशेष बैठक में समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर ने प्रत्येक शिकायत अटेंड करने के निर्देश विभागों को दिए। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि शिकायत अटेंड नहीं करने पर कार्यालय प्रमुख के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर द्वारा बैठक में स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा, कृषि, महिला बाल विकास विभाग द्वारा शिकायतों के कम निराकरण पर सख्त नाराजगी व्यक्त की। बैठक में कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के लिए नियोजित ढंग से कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय तथा जिले की अन्य चिकित्सा संस्थाओ में मरीजों के उपचार हेतु डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ तथा दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ओवर लोडिंग वाहनों की पुलिस द्वारा समझाइश के साथ चालानी कार्यवाही

सैलाना/मनोज भंडारी। जान हथेली पर रखकर सफरफ्र समाचार प्रकाशित होने के बाद पुलिस द्वारा त्वरित कारयाही की गई की जाकर 35 वाहन चालकों के चालानी करते हुए 16500 रुपये जुर्माना वसूला गया और समझाइश दी गई कई वाहन वालों ने पुलिस चेकिंग के पहले ही वाहनों से सवारी उतार दी और आगे जाकर पुन : वापस बैठाई कई वाहन ने रास्ते बदल कर वाहनों को ले गए। खबर प्रकाशन के बाद प्रशासन हरकत में आया थाना प्रभारी पृथ्वीसिंह लखाटे सब ईस्पेक्टर सारस्वत शिवजी यादव सहित पुलिस बल बोदिना चौराहे पर पहुचा ज्ञात रहे कि सैलाना क्षैत्र के लोग जब स्वयं कार्य नही होता तब मजदूरी के लिए बाहर जाते है और बाहर जाने वालों की संख्या अधिक होती है और वाहन में अधिक लोग बैठाकर ले जाया जाता है थोड़ी अधिक कमाई के लिए बाहर के कुछ किसान भी लोगो मजदूरी के लिए ले जाते है या तो ऐसे किसान अपने वाहन की व्यवस्था करे अन्यथा मजदूर ले जाना बंद करे इस ओर जनप्रतिनिधियों को आगे आना होगा क्षैत्र के लोगो को अधिक कमाई हो लेकिन उनकी जान जोखिम में ना डाली जाए ऐसी व्यवस्था की जाए आगे से ऐसे मजदूरों को बाहर ले जाने वाले किसान पर भी कार्यवाही की जाए तो ही ये बन्द होगा।

ग्राम पंचायत अंबोदिया व राजपूरा के सचिव निलंबित

रतलाम । जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रृंगार श्रीवास्तव द्वारा जिले की ग्राम पंचायत अंबोदिया के सचिव श्री जगदीश गुजराती को निलंबित कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि श्री गुजराती लगातार कार्यालय से अनुपस्थित रहते हैं कार्य प्रणाली में सुधार नहीं लाया जा रहा है। सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण में रुचि नहीं ली जा रही है। अतः पदीय कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करने, कार्य में लापरवाही के कारण ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित किया गया है।

रावटी में हुए पीएचई चौकीदार के अन्धेकत्ल का चौबीस घण्टों के भीतर खुलासा

रतलाम।

जिले के रावटी थाना क्षेत्र में पीएचई सम्पवेल के चौकीदार की हत्या के मामले को पुलिस ने चौबीस घण्टों के भीतर सुलझा लिया है। मृतक बाला भाभर की हत्या उसी के साथी चौकीदार ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने पुलिस कंट्रोल रुम पर आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस को मिली इस सफलता की जानकारी दी। एसपी के मुताबिक 22 सितम्बर को रावटी थाने में बाला पिता बाबूलाल भाभर 40 नि. कुवरपाडा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु के सम्बन्ध में मर्ग कायम किया गया था। मृतक बाला भाभर के पोस्टमार्टम से यह स्पष्ट हुआ था कि उसी मृत्यु सिर व

पेट पर किसी कठोर वस्तु से आई चोटों के कारण हुई थी। इन तथ्यों के आधार पर रावटी पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

एसपी अमित कुमार ने हत्या के इस प्रकरण को सुलझाने के लिए एएसपी राकेश खाखा और एसडीओपी सुश्री नीलम बघेल के मार्गदर्शन में थाना रावटी,सायबर सेल और सीसीटीवी शाखा की एक संयुक्त टीम गठित की थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के साक्ष्यों,मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों को जुटाकर तीन संदेहियों अर्जुन पिता बापू गरवाल निवासी कुडी का टापरा,वीरेन्द्र उर्फ वीरु पिता मदनलाल नि.माला की बीड, और प्रभु पिता रामा खडिया नि.मलवासी को राउण्ड अप किया। इनसे जब पूछताछ की गई तो हत्या की सारी कहानी सामने आ गई।

एसपी अमित कुमार के मुताबिक मृतक बाला भाभर और आरोपी प्रभू खडिया दोनो ही पीएचई सम्पवेल पर चौकीदार के रुप में नियुक्त थे और शिफ्ट में ड्यूटी करते थे।

घटना वाली रात मृतक बाला भाभर की शिफ्ट रात ग्यारह बजे से थी,लेकिन वह दो घण्टे पहले ही सम्पवेल पर पंहुच गया था। सम्पवेल पर प्रभू खडिया अर्जुन और वीरेन्द्र के साथ कमरे में बैठकर शराब पी रहा था। मृतक बाला ने उन्हे शराब पीने से मना किया और कमरे से बाहर कर दिया। इसी बात से क्रोधित होकर तीनो आरोपियों ने मृतक बाला के साथ जमकर मारपीट की और लाठी से उसके सिर और पेट में वार किए,जिससे उसकी मौत हो गई। रावटी पुलिस ने तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हे न्यायालय में प्रस्तुत कर रिमाण्ड लिया जाएगा,ताकि उनसे विस्तृत पूछताछ की जा सके।

पुलिस ने तीन पिस्टल, मैगजीन और 5 राउंड के साथ तीन युवक को किया गिरफ्तार

रतलाम। एसपी अमित कुमार के निर्देश पर शुरू हुई कार्रवाई के बाद रतलाम पुलिस की टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने तीन अवैध पिस्टल, मैगजीन और 5 राउंड के साथ तीन युवकों को कार सहित गिरफ्तार किया है। तीनों युवक बीती रात कार में सवार होकर जा रहे थे। पुलिस युवकों से पूछताछ कर पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह कहां जा रहे थे और अवैध पिस्टल साथ रखकर इस तरह जाने का उनका क्या उद्देश्य था?

मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अमित कुमार ने पूरे मामले की जानकारी दी इस दौरान एएसपी राकेश खाखा एवं सीएसपी अभिनव वारंगे भी मौजूद रहे। एसपी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना मिली थी कि डेलनपुर की ओर से

एक कार में तीन युवक आ रहे हैं, जिनके पास पिस्टल रखी हुई है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसपी अमित कुमार के निर्देश पर पुलिस टीम ने नाकेबंदी कर दी। कुछ देर बाद मुखबिर द्वारा बताई गई सूचना के अनुसार एक कार पुलिस टीम को आती दिखी। पुलिस टीम ने कार को रोका, उसमें तीन युवक बैठे मिले। एसपी अमित कुमार ने बताया कि तीनों युवकों ने पुछताछ में संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने जब युवकों की तलाशी ली तो तीनों के पास से एक-एक पिस्टल बरामद की गई। तीनों युवकों ने अपनी कमर में पिस्टल फंसा रखी थी।

पुलिस के अनुसार युवकों से पिस्टल की मैगजीन और कुल 5 राउंड जिंदा कारतूस भी बरामद किए

गए। पुलिस के अनुसार पूछताछ में युवकों ने अपने नाम दानिश पिता जाकिर 25 साल निवासी हाट रोड, जावेद पिता नौशाद 33 साल निवासी शहर सराय और अहमद हुसैन पिता इस्माइल 30 साल निवासी जावरा का होना बताया। पुलिस ने तीनों युवकों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पिस्टल मैगजीन और कारतूस बरामद किए हैं। एसपी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस तीनों आरोपियों का रिमांड लेकर उनसे पूछताछ कर रही है कि वह किस उद्देश्य से पिस्टल लेकर जा रहे थे। साथ ही तीनों युवक यह अवैध पिस्टल कहां से लाएं इसके बारे में भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस तीनों युवकों का आपराधिक रिकार्ड भी सर्च कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक कहां से आ रहे थे और कहां जा रहे थे। और कार किसकी है इसकी भी जानकारी ली जा रही है।

सराहनीय भूमिका

थाना प्रभारी औद्योगिक क्षैत्र रतलाम उपनिरीक्षक वी.डी. जोशी , उनि सत्येन्द्र रघुवंशी, कार्य. प्रधान आरक्षक योगेन्द्र सिंह जादौन, कार्य प्रधान आरक्षक दिनेश जाट, कार्य. प्रधान आरक्षक तेजसिंह जगावत, कार्य प्रधान आरक्षक हर्षवर्धन सिंह , कार्य प्रधान आरक्षक राहुल जाट, कार्य प्रधान आरक्षक अमित त्यागी, कार्य प्रधान आरक्षक जितेन्द्र सिंह गौड़, आरक्षक अन्तरसिंह ,आरक्षक मोहन पाटीदार, आरक्षक बलवीर सिंह, आरक्षक मोहन चौहान, आरक्षक विपुल भावसार, आरक्षक नरपाल सिंह, आरक्षक दुर्गालाल गुजराती , आरक्षक लंकेश पाटीदार

ग्राम मेहगांव के पिता पुत्र के हत्यारो पुलिस ने नहीं की कार्रवाई ब्राह्मण समाज आक्रोशित

एसपी कार्यालय पहुंचा 48 घंटे का दिया टाइम , प्रदेशभर में होंगे आंदोलन

धार (ललित दुबे)। धार के धामनोद थाना क्षेत्र के मेहगांव के मामले में धार एसपी कार्यालय का किया घेराव ब्राह्मण समाज ने एकत्र होकर हनुमान चालीसा का पाठ पुलिस विभाग व सरकार को सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की तथा 48 घंटा की चेतावनी पुलिस को देते हुए वरिष्ठों ने कहा आरोपियों को गिरफ्तार कर स्त्रद्वह नहीं की तो प्रदेश भर में उग्र आंदोलन होंगे मेहगांव के शशांक दुबे एवं अजय दुबे ब्राह्मणो की हत्या के आरोपी अभी भी पुलिस की मिली भगत से खुली हवा में सांस ले रहे हैं ब्राह्मण समाज अब बर्दाश्त नहीं करेगा

इस अवसर पर ब्राह्मण समाज धार के अध्यक्ष गोडु शुक्ला के नेतृत्व में पीड़ित परिवार व विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी लगभग 500 से अधिक ब्राह्मण एसपी कार्यालय चिल चिलाती धुप में पहुंचे बड़ी संख्या में महिलाएं

भी शामिल हुई परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने कहा कि अगर 48 घंटे में आरोपियों को नहीं पकड़ा गया तो प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा अधिवक्ता एवं ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सुभाष पौराणिक ने घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक को विस्तार से जानकारी देते हुए सीधे चेतावनी देते हुए कहा अगर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया तो माननीय न्यायालय के माध्यम से 40 का धामनोद में पदस्थ पूरा स्टाफ आरोपी बनेगा प्रदीप दुबे अधिवक्ता ने कहा सूचना के अधिकार में सारी जानकारी मांगी थी किंतु वे पुलिस विभाग के एसपी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों ने अभी तक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा सकते तथा अपने एस आई नरपत सिंह व प्रज्ञा ठाकुर को बचाने में लगे हुए ओंकारेश्वर बाविसा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष व पत्रकार ललित दुबे ने कहा धामनोद जिले के मेंहगांव में ब्राह्मण परिवार के साथ हुई दु » खद घटना से पूरा प्रदेश के ब्राह्मण परिवार दु » खी है अगर पुलिस विभाग मामले को गंभीरता से नहीं लेगा तो प्रदेश भर में उग्र आंदोलन होंगे जिससे पुलिस की छवि भी खराब होगी परशुराम सेना व सभी ब्राह्मण समाज अब मैदान में उतरेगा।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी पकड़ाया

खंडवा। थाना छैगांवमाखन मे दिनांक 24.09.2024 को पीडिता ने रिपोर्ट किया था कि प्रतिदिन स्कूल जाते समय कृष्णपाल आने जाने पर नजर रखता है आपत्तिजनक टिप्पणी करता था। दिनाँक 16.09.24 को कृष्णपाल पिता संतोष कुमावत ग्राम कोलाडीट छैगाँवमाखन खंडवा ने अपनी मोटरसाईकिल से बुरी नियत से उसका पीछा किया तत्पश्चात यह बात उसने भाई को बताई इस पर से कृष्णपाल ने नाबालिग को जान से मारने की धमकी दी, रिपोर्ट पर थाना छैगांवमाखन मे अपराध ' मांक 359/2024 धारा 78(2), 351(3) , लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधि. 2012 की धारा 11(i), 12 का कायम कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस अधीक्षक खंडवा श्री मनोज कुमार राय के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री महेंद्र तारणेकर व उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक वि' म धावें के नेतृत्व में थाना छैगांवमाखन की पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपी कृष्णपाल पिता संतोष सामरिया जाति कुमावत उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम कोलाडीट छैगाँवमाखन खंडवा को तत्काल गिरफ्तार किया गया। जिसे दिनांक 25.09.24 को माननीय न्यायालय खंडवा के समक्ष पेश किया जायेगा।

श्री हुकुमचंद यादव शासकीय महाविद्यालय में मनाया ''राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस''

खण्डवा । श्री हुकुमचंद यादव शासकीय नवीन आदर्श स्नातक महाविद्यालय में ''राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस'' महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. इन्दुबाला सिंह की अध्यक्षता में मनाया गया। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर महेश कुमार तिवारी के द्वारा 24 सितंबर को विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई में पंजीकरण कराने के लिए जागरूक किया गया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सामुदायिक सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर अपना योगदान समाज सेवा के साथ ही राष्ट्र सेवा में कर सकते हैं। कार्य' म में प्रोफेसर डॉ. प्रबोध चंद्र जोशी, डॉ. एजाज साहेब, डॉ. धर्मेंद्र चैबे, डॉ. अमित कनाडे, डॉ. गुरलीन कौर, डॉ. संगीता पाल, डॉ. अमृता शर्मा, डॉ. दिग्विजय पाटिल, श्री मनीष बारिया एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर -ममलेश्वर मंदिर का एक ही ट्रस्ट बने ताकि

दान की धनराशि का उपयोग श्रद्धालुओ के हित में हो सके

ओंकारेश्वर - (ललित दुबे)। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर ट्रस्ट का विस्तार करते हुए इस ट्रस्ट में ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर को भी सम्मिलित किए जाने की मांग प्रखर रूप से उठने लगी है।

जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा होगी शनिवार रविवार और सोमवार श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है आने वाले श्रद्धालुओं को सुलभ दर्शन की सुविधा के लिए जिला प्रशासन और मंदिर प्रशासन के प्रयास वर्तमान में ना काफी है । ओंकारेश्वर विकास संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र भेजकर तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में आने वाले श्रद्धालुओं की दर्शन सुविधा में व्यापक सुधार के लिए पत्र प्रेषित कर आवश्यक ठोस कदम उठाने की मांग की है। इस संबंध में ओंकारेश्वर विकास संघर्ष समिति के सदस्य प्रभाकर केरालकर ने कहा कि श्री जी मंदिर ट्रस्ट जो लगभग 57 वर्ष पुराना है इस ट्रस्ट के जो बाय लाज बनाए 57 वर्ष पूर्व बनाए गए थे उसमें आज की स्थिति को देखते हुए समय के साथ परिवर्तन करने की आवश्यकता है ट्रस्ट का ढर्रा आज भी वैसे ही चल रहा है ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पद पिछले लगभग 20 वर्षों से रिक्त पड़ा हुआ है भारतीय सेवा से रिटायर स्वामी स्वामी तेज आनंद कर्नल के बाद से इस पद पर सरकार द्वारा गंभीरता से किसी को पदस्थ नहीं किए जाने के कारण संपूर्ण व्यवस्थाएं चरमराई हुई है।

बागड़ ही खेत को खा रही है

मंदिर में व्यवस्था पुरी चरमरा गई है वी आई पी दर्शन के नाम पर लूट से तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर की छवि खराब हो रही है ट्रस्ट के जिम्मेदार व्यक्तियों के निकट सबंधी चोरी छिपे पिछले दरवाजे से यात्रियों को वी आई पी दर्शन करवाने के नाम पर लूट में सम्मिलित है ऐसा ही प्रकरण विगत एक माह पूर्व सामने आया था रुपए के बदले में दर्शन करने वाले चार पंडित जेल भी जा चुके हैं धार्मिक पर्व कालों के दौरान यहां की व्यवस्था से तंग आकर कहीं श्रद्धालु गण बिना दर्शन किए ही यहां से वापस चले जाते हैं ।

क्यों बनाया जाना चाहिए ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर का ट्रस्ट

इस संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के वर्तमान में तीन मालिक हैं पहले केंद्रीय पुरातत्व विभाग दूसरा अहिल्या देवी खासगी ट्रस्ट एवं तीसरा पुजारी परिवार जिसने अपने मन से ही ममलेश्वर ज्योतिर्लिंगमदिर में प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए दान के रूप में आने वाली आय का बटवारा अपने मन माफिक तरीके से कर रखा है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार पुजारी परिवार एवं अहिल्या देवी खासगी ट्रस्ट के बीच लगभग 20 वर्ष पूर्व ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दान राशि के रूप में आने वाली आय को लेकर विवाद भी हुआ यह मामला खंडवा जिले के जिला न्यायालय में भी चला था उसे दौरान के विद्वान न्यायाधीश बाहेती साहब ने अहिल्या देवी खासगी ट्रस्ट के समस्त तथ्यों को देखते हुए इस ट्रस्ट के पक्ष में फैसला दिया था । इसके बाद पुजारी परिवार जबलपुर उच्च न्यायालय चला गया तथा वर्ष 2015 से यह मामला मध्य प्रदेश सरकार एवं उसके अधिकारियों द्वारा अपना पक्ष ठीक नहीं रखे जाने के कारण पिछले नौ वर्षों से यह मामला लंबित है इधर अहिल्या देवी खासगी ट्रस्ट के जिम्मेदार लोग इस संबंध में वस्तु स्थिति पर आधारित अपना पक्ष न्यायालय में शायद नहीं रख पाते है । मूलभूत सुविधाओं के नाम पर नगर एवं ओंकारेश्वर मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को कोई व्यवस्था ममलेश्वर मंदिर पुजारी परिवार नहीं दे पा रहा है ममलेश्वर मंदिर को ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट में मिलाकर एक व्यापक टस्ट बनाने की मांग।

आशा घर घर जाकर आयुष्मान कार्ड व आभा बनाने के लिए कर रही प्रेरित

खण्डवा । आयुष्मान भारत योजना अन्तर्गत आयुष्मान पखवाड़ा 20 से 30 सितंबर तक मनाया जा रहा है। नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल ने कहा कि जिले में आशा, आशा सुपरवाइजर व स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा पात्र हितग्राही के घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही 70 वर्ष व उससे अधिक उम्र के नागरिकों का भी आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए कहा। डॉ. कौशल ने बताया कि आयुष्मान कार्ड के साथ साथ जनसमुदाय को आभा आईडी बनवाने हेतु भी प्रेरित किया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के पात्र हितग्राही आयुष्मान कार्ड बनवाने के उपरांत षासकीय मेडिकल कालेज जिला अस्पताल शासन द्वारा चिन्हित अस्पतालों में अपना इलाज निःशुल्क करवा सकते है। इस योजना के अंतर्गत एक परिवार में एक वित्तीय वर्ष में 5 लाख तक का केशलेस निःशुल्क इलाज किया जाता है। अधिक जानकारी व लाभ के लिए निःषुल्क हेल्प लाईन 18002332085 एवं 14555 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

कलेक्टर सिंह ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

खण्डवा । शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई कार्य म के तहत नागरिकों की शासकीय कार्यालयों से संबंधित समस्याओं का निराकरण अधिकारियों द्वारा किया जाता है। इसी ' म में मंगलवार को कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समस्याओं के आवेदन लेकर आए विभिन्न नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निराकरण के लिए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के.आर. बड़ोले, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण मौजूद थे।

कलेक्टर सिंह ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

खण्डवा । शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई कार्य म के तहत नागरिकों की शासकीय कार्यालयों से संबंधित समस्याओं का निराकरण अधिकारियों द्वारा किया जाता है। इसी ' म में मंगलवार को कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समस्याओं के आवेदन लेकर आए विभिन्न नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निराकरण के लिए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के.आर. बड़ोले, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण मौजूद थे।

68वीं राज्य स्तरीय फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता में

स्वच्छता शपथ समारोह आयोजित

खण्डवा । कुश्ती प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर नगर पालिक निगम खंडवा द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक विशेष स्वच्छता शपथ समारोह का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने आए पहलवानों, अधिकारियों और दर्शकों ने स्वच्छता की शपथ ली, जिसमें शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने की प्रतिबद्धता दिखाई गई। इस पहल का उद्देश्य समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और व्यक्तिगत तथा सामूहिक स्तर पर स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करना था।

खंडवा नगर पालिक निगम स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त कर रहा है और इस अभियान के अंतर्गत शहर में कई स्वच्छता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। स्वच्छ भारत मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण है। नगर निगम आयुक्त ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सं' य रूप से भाग लेने की अपील की। इसके अलावा वार्ड ' मांक 14 में बुलंद मस्जिद के पास वार्डवासियों को गीला-सूखा कचरा अलग-अलग देने की समझाईश दी।

स्वच्छता ही सेवा 2024 पखवाड़ा कार्यक्रम में स्वच्छता की दिलाई शपथ

खण्डवा । श्री हुकुमचंद यादव शासकीय नवीन आदर्श स्नातक महाविद्यालय खंडवा में विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ ने स्वच्छता की शपथ ली। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. इंदुबाला सिंह ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ को साफ सफाई विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। इसके उपरांत डॉ. प्रबोध चंद्र जोशी ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ के सभी सदस्यों को स्वच्छता की शपथ दिलाई एवं उन्होंने कहा कि अपने आसपास सफाई रखने के साथ-साथ दूसरे लोगों को भी साफ सफाई के प्रति प्रेरित करें। कार्य' म में डॉ. एजाज साहेब, डॉ. महेश कुमार तिवारी, डॉ. संगीता पाल, डॉ. अमृता शर्मा, डॉ. गुरलीन कौर, डॉ. दिग्विजय पाटिल, डॉ. धर्मेन्द्र चैबे, डॉ. अमित कनाडे, श्री मनीष बारिया सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

लियो क्लब खण्डवा ने मनाया अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस

खण्डवा। अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर लियो क्लब खण्डवा द्वारा अध्यक्ष लियो अर्पित बाहेती, सचिव लियो सुमीत परिहार, कोषाध्यक्ष लियो शिवम जायसवाल एवं लियो एडवाइजर लायन घनश्याम वाधवा के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर सीडब्ल्यूएसएन दिव्यांग छात्रावास खण्डवा लालचौकी खण्डवा में पहुंच बधिर बच्चों के साथ इस दिन के महत्व पर सार्थक पहल करते हुए बच्चों के साथ जश्न मनाया।

कार्य म की अधिक जानकारी देते हुए लायन नारायण बाहेती ने बताया कि हर भाषा की अपनी खूबसूरती होती है।भारत की बात करें तो हर थोड़ी दूरी पर भाषा में कुछ न कुछ बदलाव आ

मूक बधिर छात्रावास में किये विभिन्न आयोजन

जाता है। जो इसकी सुंदरता को और बढ़ाता है। यह तो हो गई बोलचाल की भाषा, लेकिन जो बधिर हैं, उनकी भी एक खास भाषा होती है।जिसे हम सांकेतिक भाषा यानी साइन लेंग्वेज कहते हैं।बधिर समुदाय की बात को समझने और उनके अधिकारों का सम्मान को लेकर हर साल 23 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस मनाते हुए सांकेतिक भाषा के महत्व के बारे में लोगों को जागरुक बनाया जाता है। आश्रम संचालिका अंजली शिन्दे ने लियो क्लब खण्डवा की सं' य भूमिका की सराहना करते हुए उपस्थित लियो साथियों के आने के उद्देश्य की जानकारी सांकेतिक भाषा में बच्चों की दी ।जिसपर बच्चों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। अध्यक्ष अर्पित बाहेती ने कहा कि बच्चों के बीच आकर प्राप्त होने वाले असीम आनन्द को शब्दों मंल व्यक्त करना असंभव है। शिक्षक बड़ेरे जी द्वारा इंसाफ की डगर पर बच्चों चलाओ चल के गीत की प्रस्तुति के साथ ही बच्चों के द्वारा दी गई सांकेतिक भाषा मे गीतों की प्रस्तुति ने सभी को उत्साहित कर दिया।बच्चों के बीच स्वल्पहार वितरित करने के साथ कार्य म का समापन किया गया।कार्य म में पीयूष शुक्ला, पूजा अग्रवाल, पवन जायसवाल, राजन बहेल, ईशा अठोत्रा एवं लियो क्लब खण्डवा परिवार के सदस्य शामिल हुए। कार्य म का संचालन करते हुए सचिव सुमित परिहार ने बच्चों की प्रतिभा को निखारने के प्रति आश्रम संचालिका एवं आश्रम परिवार की व्यवस्थाओं को लेकर धन्यवाद दिया एवं आभार लियो पूजा अग्रवाल ने व्यक्त किया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 07 अक्टूबर 2024 तक बढ़ी

झाबुआ 24 सितम्बरए 2024। प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय थांदला ;झाबुआ.2द्ध द्वारा यह बताया गया कि नवोदय विद्यालय समिति मुख्यालय द्वारा चयन परीक्षा के माध्यम से जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 ;सत्र 2025.26द्ध में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण जारी है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7अक्टूबर 2024 तक बढ़ा दी गई है। उम्मीदवार वेबसाइट पस पर जाकर निःशुल्क आवेदन कर सकते हैं।

बंद दरवाजे के पीछे में आर्य बब्बर की दमदार भूमिका

90 के दशक में, हॉरर जॉनर में रामसे ब्रदर्स का नाम काफ़ी मशहूर था। अब, यह मशहूर प्रोडक्शन हाउस-स्ञ्ज्ञ पर रामसे के बंद दरवाजे के पीछे के साथ वापसी कर रहा है। अभिनेता आर्य बब्बर इस सीरीज़ में एक अहम किरदार निभा रहे हैं। उनका किरदार, अनुराग, अपनी पुश्तैनी हवेली की जगह एक आवासीय परिसर विकसित करने की योजना के साथ विदेश से घर लौटता है।अपनी भूमिका और तैयारी के बारे में ज़्यादा जानकारी देते हुए, आर्य कहते हैं, मुझे यह वाकई बहुत पसंद आया; सह-अभिनेताओं के साथ शूटिंग करना बहुत मज़ेदार था। मैं कबूल करता हूँ- मुझे हॉरर कंटेंट देखने से डर लगता है। मैं टीवी या सिनेमाघरों में हॉरर फ़िल्में भी नहीं देख सकता, न ही मैं हॉरर कहानियाँ सुन सकता हूँ। इसलिए, एक अभिनेता के तौर पर, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना और उन भावनाओं को व्यक्त करना एक चुनौती थी जिन्हें मैं देखना बर्दाश्त नहीं कर सकता था।

आयुष लालबाग के राजा के दर्शन के लिए 10 घंटे की लाइन में लगे!

शो शमशान चंपा को दर्शकों द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। इस शो में विक्रम की भूमिका निभा रहे अभिनेता आयुष श्रीवास्तव को दर्शकों द्वारा बहुत सराहनाएं भी मिल रही हैं। आयुष बताते हैं। जब मैं मुंबई आया, तो यहां का गणेशोत्सव देखकर मैं हैरान रह गया। दोस्त, परिवार और यहां तक कि अजनबी भी, सभी इतनी भक्ति के साथ मिलकर इस उत्सव को मनाते हैं। मैंने जबलपुर में कई पंडालों के दर्शन किए हैं, लेकिन मुंबई में लालबागचा राजा का उत्साह अद्भुत था। जब मैं 2019 में पहली बार मुंबई आया, तो बप्पा के दर्शन के लिए 10 घंटे लाइन में खड़ा रहा, और ऐसा लगा जैसे मैं किसी जादुई दुनिया में हूं।

चंद्र प्रकाश 1 करोड़ के सवाल का जवाब देने के लिए तैयार

'कौन बनेगा करोड़पति' जम्मू और कश्मीर निवासी 22 वर्षीय यूपीएससी उम्मीदवार चंदर प्रकाश का स्वागत करेगा। हॉट सीट पर अपनी जगह बनाने वाले चंदर प्रकाश ने बचपन से ही सेहत संबंधी कई समस्याओं का सामना करने के बावजूद, अपने हौसले को कम नहीं होने दिया। पूरी लगन और दृढ़ संकल्प के साथ यह गेम खेलने वाले, चंदर 25 सितंबर, बुधवार को प्रतिष्ठित 1 करोड़ के सवाल का जवाब देते हुए दिखाई देंगे। जब वह इस महत्वपूर्ण सवाल का जवाब देने के लिए तैयार होते हैं, तो अमिताभ बच्चन इस महत्वपूर्ण पड़ाव तक पहुंचने के लिए उन्हें बधाई देते हुए, कुछ ज़रूरी सहजता और प्रेरणा देते हैं। चंदर ने जिन दिक्कतों का सामना किया है, उसे याद करते हुए, अमिताभ बच्चन ज़िंदगी के बारे में एक दिलचस्प किस्सा बताते हैं जो उनके पिता, दिवंगत हरिवंश राय बच्चन ने उनके साथ साझा किया था। उन्होंने कहा, मेरे बाबू जी ने कहा - बेटा, जब तक जीवन है, तब तक संघर्ष है।

मानव इतिहास की रहस्यमयी घटनाओं की पड़ताल

'दि अनबिलीवेबल विथ डैन एक्रोयड' एक रोमांचक नई सीरीज़ है जिसका प्रसारण 26 सितंबर 2024 से, हर गुरुवार और शुक्रवार को रात 9 बजे हिस्ट्री टीवी18 पर होगा। इसे होस्ट कर रहे हैं अवॉर्ड-विजेता अभिनेता, लेखक, निर्माता, कॉमेडियन, और गोस्टबस्टर के स्टार, डैन एक्रोयड। अपने अनोखे अंदाज़ में कहानी सुनाने के हुनर के साथ एक्रोयड विश्वभर में घटित असाधारण ऐतिहासिक घटनाओं और खोजों पर प्रकाश डाल रहे हैं। दस एपिसोड्स की इस सीरीज़ में दि अनबिलीवेबल विथ डैन एक्रोयड दर्शकों को एक रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी, जिसमें इतिहास की बेहद अजीब लेकिन सच्ची कहानियों को जीवंत किया जाएगा। इन कहानियों को डायनामिक रीक्रिएशंस, प्रभावशाली ग्राफिक्स, आकर्षक पुरालेखीय फुटेज, और मजेदार एक्सपर्ट कमेंट्री के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। इन अद्भुत घटनाओं में शामिल हैं - एक भारतीय व्यक्ति जो अपने शरीर से बिजली प्रवाहित कर सकता है, साइबेरिया के एक दूरस्थ गांव में स्न्ह्र देखे जाने की घटना, 440 पाउंड का एक सीरियन भालू जो एक सैनिक बन गया, और एक डरावने गुड़ियों से भरे द्वीप की दास्तान जिसका अतीत काफी दुखभरा है।

'मैं दिल तुम धड़कन' में भावुक सफर!

'मैं दिल तुम धड़कन' में इमोशनल सफर के लिए तैयार हो जाइए! इस नए एपिसोड में दर्शकों को एक चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिलेगा जब वृंदा ऐसे शिशु जो जन्म देती हैं जो ज़िन्दगी की लड़ाई हार जाता है, जिससे उनका परिवार टूट जाता है।उसी समय, केशव की पत्नी दीपिका ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया है, लेकिन वह अपने सपनों और एक मां की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने को लेकर संघर्ष कर रही हैं। वह तनाव में आकर डॉक्टर को अपने बच्चे से छुटकारा दिलाने की बात कहती है, क्योंकि उसके सपने मां बनने से ज़्यादा बड़े हैं। कहानी में एक नया मोड़ तब आता है जब डॉक्टर वृंदा की जान बचाने के लिए उनकी सास को नवजात शिशु की अदला-बदली का सुझाव देते हैं।

नोरा फतेही धमाल मचाने के लिए तैयार

ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही, जिन्होंने अक्सर अपने वायरल डांस ट्रैक और मूव्स से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में तहलका मचा दिया है, अब IIFA के स्टेज पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस लगातार तीसरी बार इस बहुचर्चित अवॉर्ड शो में वापसी कर रही हैं और इस शो में मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। उनके परफॉर्मेंस में कई पॉपुलर ट्रैक शामिल होंगे, जिससे वह फैंस से जुड़ सकेंगी और भारतीय सिनेमा की कई दशकों की विरासत को सेलिब्रेट कर सकेंगी। इंटरनेशनल आइकन ने द्धद्दह्म्न वीकेंड के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मैं ग्रैंड IIFA वीकेंड में परफॉर्म करने के लिए बेहद उत्साहित हूँ। क्राउड की एनर्जी, शानदार परफॉर्मेंस और भारतीय सिनेमा की विरासत का जश्न एक ऐसा माहौल बनाता है, जो वास्तव में बेहतरीन है। मैं अबू धाबी के शानदार यास इलैंड पर द्धद्दह्म्न स्टेज पर लौटने और फैंस और साथी कलाकारों के साथ अच्छ्र समय बिताने का इंतजार नहीं कर सकती।

कैंसर के मरीजों को सपोर्ट और दया की जरूरत : रानी मुखर्जी

वर्ल्ड रोज डे पर कैंसर के बारे में बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी जागरूकता फैलाने के लिए मुंबई के बांद्रा-वर्ली सी लिंक को लाल रंग से रोशन करेंगी। एक्ट्रेस धर्मार्थ संगठन कैंसर मरीज सहायता एसोसिएशन के साथ जुड़ी हुई हैं। अब वह इस कार्यक्रम में युवा कैंसर रोगियों के साथ शामिल होंगी। इस मौके पर रानी ने कहा, मैं वास्तव में बहुत आभारी हूं कि मुझे ऐसे नेक मिशन का हिस्सा बनने के लिए चुना गया। इसके लिए मैं कैंसर मरीज सहायता एसोसिएशन को धन्यवाद देती हूं। उन्होंने कहा, जो लोग भी इस बीमारी से जूझ रहे हैं, उन्हें हमारे सपोर्ट और दया की जरूरत है। हमें लोगों को इस बीमारी के बारे में जागरूक करना होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि यह एक्टिविटी कैंसर की बीमारी को लेकर लोगों को जागरूक करेगी। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कलाकारों को भी सामने आकर ऐसी बीमारियों को लेकर लोगों के बीच जागरूकता फैलाना चाहिए।

लगातार संपर्क से हुनर को निखारने में मदद मिली

गदर 2 फेम अभिनेता रोहित चौधरी का कहना है कि वह एक अभिनेता के तौर पर अपने हुनर को लगातार निखारने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, मैं विभिन्न प्रशिक्षण विधियों, गहन अध्ययन और विश्व सिनेमा देखने के माध्यम से अपने अभिनय कौशल को निखारता हूं। यह निरंतर संपर्क और सीखने से मुझे अपने हुनर को निखारने और बहुमुखी बने रहने में मदद मिली।एक स्व-निर्मित व्यक्ति, उन्होंने खुलासा किया कि जीवन ने उन्हें कई मूल्यवान सबक सिखाए हैं जिन्हें उन्होंने अपने अभिनय में शामिल किया है। उन्होंने कहा, अनुभव और लचीलेपन की यह गहराई एक अभिनेता के तौर पर मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

अभावों ने सच्ची सफलता का अर्थ सिखाया

कापी साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले अभिनेता सानंद वर्मा कहते हैं कि उन्हें खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें अपना नाम बनाने का जुनून मिला। अभिनेता, जो वर्तमान में भाबीजी घर पर हैं का हिस्सा हैं, कहते हैं कि कभी-कभी आपको बड़ा बनने के लिए उस प्रेरणा की आवश्यकता होती है।मेरा करियर का सफ़र शानदार रहा है। मैंने जीवन के हर रंग को देखा है, कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा बचपन अभावों में बीता और हम आर्थिक रूप से संपन्न नहीं थे। इसने मुझे बहुत मेहनत करने और जीवन और सफलता के वास्तविक अर्थ को समझने के लिए प्रेरित किया। मेरा मानना है कि मेरा सफ़र अभूतपूर्व रहा है, ।

वैभव को अभिमान पुरस्कार मिला

आर्टिकल 370 और ए वेडिंग स्टोरी जैसी फिल्मों में नजर आ चुके वैभव तत्ववादी पुणे टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के पूर्व छात्र हैं। इस इंजीनियर्स डे पर उनके कॉलेज ने उन्हें छ्ह्लश्वक्र अभिमान पुरस्कार देकर सम्मानित किया।उन्होंने इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की और लिखा, मैं इस इंजीनियर्स डे पर COEP अभिमान पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के लोगों में से एक बनकर वाकई सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूं। लंबे समय से, मैं ऐसे साक्षात्कारकर्ताओं का सामना कर रहा हूँ, जो कृपालु लहजे में पूछते थे, यदि आप अभिनय करना चाहते थे, तो आपने इंजीनियरिंग की पढ़ाई क्यों की? या इतने प्रतिष्ठित कॉलेज से डिग्री क्यों बर्बाद की? मैं बस एक सांस लेता और जवाब देता, इंजीनियरिंग केवल एक डिग्री नहीं है, यह एक दृष्टिकोण है। लेकिन अंदर ही अंदर, मैं सोचता, इसे जाने दो-इस साक्षात्कारकर्ता की उथल-पुथल उन्हें मेरे उत्तर की गहराई को समझने की अनुमति नहीं देगी।

बिन्नी एंड फैमिली का गाना 'जिंदगी' रिलीज

गाना 'जिंदगी', जिसे डेब्यूटेंट अंजिनी धवन और पंकज कपूर पर खूबसूरती से फिल्माया गया है, 'स्त्री 2' की टीम की मौजूदगी में लॉन्च किया गया। इस इवेंट में डायरेक्टर अमर कौशिक, लेखक नीरेन भट्ट और एक्टर अभिषेक बनर्जी के साथ-साथ 'बिन्नी एंड फैमिली' की कास्ट अंजिनी धवन, राजेश कुमार, नमन त्रिपाठी, प्रोड्यूसर महावीर जैन और डायरेक्टर संजय त्रिपाठी भी मौजूद थे।यह गाना लोकप्रिय म्यूजिशियन विशाल मिश्रा द्वारा गाया और कम्पोज किया गया है। कौशल किशोर द्वारा लिखे गए इस गाने में फिल्म का सार खूबसूरती से मौजूद है और यह दर्शकों को एक भावनात्मक संदेश भी देता है। इस खास ट्रैक के लॉन्च पर को-प्रेजेंटर मृगदीप सिंह लांबा भी मौजूद थे, जबकि शशांक खेतान ने अपनी शुभकामनाएं भेजीं क्योंकि वे इस इवेंट में शामिल नहीं हो सके।

कैटरीना कै और हुदा की खास बातचीत

कैटरीना कैफ अपने कॉस्मेटिक ब्रांड के ब्यूटी के साथ ब्यूटी इंडस्ट्री में तहलका मचा रही हैं। हाल ही में, उन्होंने हुदा ब्यूटी की फाउंडर ब्यूटी मोगुल हुदा कट्टन के साथ एक कोलैबोरेशन वीडियो पोस्ट करके फैंस को चौंका दिया। वीडियो में, कैटरीना और हुदा ने ब्यूटी इंडस्ट्री और वूमेन एंटरप्रेन्योर के रूप में अपने अनुभवों के बारे में एक दिलचस्प बातचीत की। कैटरीना और हुदा के बीच यह डिजिटल कोलैबोरेशन जल्द ही चर्चा का विषय बन गया और कैफ को उनके फैंस द्वारा मार्केटिंग जीनियस के रूप में सराहा गया।

मिशाल ने सोनू सूद को फिटनेस आइडल बताया

अभिनेता और निर्माता मिशाल खान भी फिटनेस के दीवाने हैं। उनके लिए, फिटनेस का मतलब सिर्फ़ अच्छा दिखना नहीं है; इसका मतलब है मज़बूत, ऊर्जावान और आत्मविश्वासी महसूस करना। मिशाल और सोनू सूद जिम के दोस्त हैं और वह उन्हें अपना फिटनेस आइडल भी मानते हैं। उन्होंने कहा, इतने व्यस्त करियर को मैनेज करते हुए भी अपनी शारीरिक स्थिति को बेहतर बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता वाकई प्रेरणादायक है। संयोग से, हम एक ही जिम में वर्कआउट करते हैं और सोनू सूद को ट्रेनिंग देने वाला ट्रेनर मेरा भी ट्रेनर है। किसी ऐसे व्यक्ति के आस-पास होना प्रेरणादायी है जो फिटनेस को उतनी ही गंभीरता से लेता है जितनी वह लेता है।

राग दरबारी

एक देश एक चुनाव – गैरजरूरी

देश की कैबिनेट ने एक देश एक चुनाव को मंजूरी दे दी है। इसके अनुसार लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ संपन्न होंगे और पंचायत नगर निगम व पालिका के चुनाव एक साथ संपन्न होंगे। अब 4.5 वर्ष तक यही मंथन चलेगा कि इसे कैसे लागू किया जाए। इस विषय पर चर्चा जरूरी है।

लोकतंत्र का आधार स्तंभ है मतदान का अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता । चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है । चुनाव पर रोक या देरी लोकतंत्र का और जनता का अपमान है । आपातकाल के दौरान सभी विधानसभाओं और लोकसभा का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर छ वर्ष कर दिया गया था । प्रेस का गला घोंट दिया गया था । अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली गई थी । कांग्रेस और इंदिरा जी की तानाशाही के विरुद्ध पूरा विपक्ष एकजुट हुआ था । जयप्रकाश नारायण जी के नेतृत्व में विपक्ष ने चुनाव लड़ा और विजय हासिल की थी । एक देश एक टैक्स के बाद एक नया शिगूफा आया है एक देश एक चुनाव । जो संसदीय लोकतंत्र को नहीं समझते वे ही इसका समर्थन कर सकते हैं । संसदीय लोकतंत्र में सभी चुनाव एक साथ होना लगभग असंभव है।

देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ । 26 जनवरी 1950 को देश के कर्णधारों ने नया संविधान लागू किया । देश गणतंत्र बन गया । वयस्क मताधिकार का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया ।

1952 ,57 ,62 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ संपन्न हुए थे। बाद में धीरे-धीरे कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे । इसके कई कारण थे जैसे राज्यों में धारा 356 के अंतर्गत राष्ट्रपति शासन लागू करना , किसी राज्य में विषम परिस्थितियों के कारण चुनाव कराना संभव नहीं होता जैसा कि आज जम्मू और कश्मीर में दस वर्षों बाद चुनाव हो रहे हैं । विधानसभा चुनाव के बाद किसी एक दल को बहुमत नहीं मिलना और मंत्रिपरिषद का गठन नहीं हो पाना । राज्य विधानसभाओं को कई बार थोक में जनमत का हवाला देकर बर्खास्त किया गया है । कई बार किसी राज्य सरकार को अपदस्थ करने के लिए जबरन राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है । कई बार खरीद फरोख्त कर सरकार बनाई गई है । दल बदल कानून बनाया गया पर उसका भी तोड़ निकाल लिया जाता है । एक देश एक चुनाव को लागू करने के लिए दल बदल कानून को सख्त बनाया जा सकता है । इसके अंतर्गत दल छोड़ने पर सदस्यता छोड़ने का कानून बनाया जा सकता है पर यह अलोकतांत्रिक होगा और इससे राजनीतिक दलों की तानाशाही में इजाफा होगा । साथ ही निर्दलीय सदस्यों पर यह कानून बेअसर होगा ।

देश के संविधान में विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका के कार्यों का स्पष्ट विवरण है । इनमें शक्तियों का स्पष्ट बंटवारा है । एक देश एक चुनाव के लिए संविधान के मूल ढांचे को बदलना होगा और इसके लिए दोनों सदनों लोकसभा राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। साथ ही देश की आधी विधानसभाओं की सहमति लेनी होगी। यह सब संभव नहीं है और यह एक जुमला साबित होगा। इसे लागू करने के लिए देशभर की सभी विधानसभाओं को भंग करना होगा। 6 महीने या 1 साल पहले चुनाव जीतने वाले दल क्यों इसका समर्थन करेंगे । किसी भी विधानसभा को उसकी या उस राज्य की जनता की सहमति के बिना भंग करना अलोकतांत्रिक व संविधान विरोधी कदम होगा । संसदीय प्रणाली में प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद लोकसभा और देश की जनता के प्रति उत्तरदायी होता है । जब तक उसे लोकसभा का विश्वास प्राप्त है वह अपने पद पर रह सकता है । यही बात मुख्यमंत्री और

मंत्रीपरिषद के बारे में भी कही जा सकती है , अतः उनका कार्यकाल उसके सदस्यों या जनता की इच्छा पर निर्भर होगा । उसे किसी कानून के दायरे में नहीं लाया जा सकता ।

फिर भी कल्पना कीजिए की जिद के चलते खींचतान करके खोटा सिक्का चला भी दिया जाए तो उसका परिणाम क्या होगा । मान लीजिए 2029 में पूरे देश में आम चुनाव के साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव भी संपन्न कराना है । इसके लिए पांच राज्य राजस्थान मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ तेलंगाना और मिजोरम को छोड़कर बाकी बचे 25राज्यों के विधानसभा को समय से पहले भंग करना होगा । इन राज्यों में कई राज्य ऐसे हैं जिसकी जनता ने एक साल के भीतर ही स्पष्ट जनादेश दिया है । क्या यह कदम अलोकतांत्रिक नहीं होगा ? यदि 2029 में केंद्र और सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव सम्पन्न होते हैं तो हो सकता है कि केंद्र में और कई राज्यों में किसी एक दल को या किसी एक गठबंधन को पूर्ण बहुमत न मिले और सरकार की स्थापना संभव न हो उस स्थिति में राष्ट्रपति शासन लगाना होगा । ऐसा होना बिल्कुल संभव है , हम अटल जी की 13 दिन की और 13 महीने की सरकार देख चुके हैं । किसी राज्य में यदि सरकार की स्थापना नहीं हो पा रही है तो क्या वहां 5 साल के लिए राष्ट्रपति शासन लगाया जाएगा । आप यकीन मानिए 2029 में सभी चुनाव एक साथ संपन्न होने के बाद दो या तीन साल के भीतर ही कई राज्यों के चुनाव कराने पड़ेंगे । राम मनोहर लोहिया जी ने कहा है जिंदा कौमें पांच साल तक इंतजार नहीं करती । इस बात का काफी हो हल्ला मचाया जा रहा है कि अलग-अलग चुनाव कराने में खर्च अधिक होता है । 2014 के चुनाव का सरकारी खर्च 4000 करोड़ से कम है । प्रतिवर्ष 18 लाख करोड़ जी एस टी वसूलने वाले देश में ऐसी बातें शोभा नहीं देती । बैंकों के एन पी ए की राशि 5.42 लाख करोड़ रुपए है ।

आजादी के बाद के इन 75 वर्षों में पांच बार (1971, 1980,1991,1998, 1999) लोकसभा के मध्यावधि चुनाव हुए हैं।अगली बार मध्यावधि चुनाव नहीं होंगे इसकी गारंटी कौन देगा ? यदि एक देश एक चुनाव का शिगुफा लागू कर दिया गया तो मध्यावधि चुनाव की सूरत में सभी तीस विधानसभाओं को भंग कर वहाँ भी चुनाव कराने होंगे। क्या इस चुनाव पर जनता का पैसा खर्च नहीं होगा? चुनाव लोकतंत्र की आवश्यक अच्छाई है। आज चुनाव की जो व्यवस्था है वह सर्वोत्तम है और उसे कायम रखा जाना चाहिए । इतना जरूर किया जा सकता है कि एक वर्ष में होने वाले चुनावों को एक साथ संपन्न कराया जाए ।

राजशेखर चौबे

विभागों के खर्च पर पहरा

25 करोड़ से अधिक के आहरण पर वित्त की अनुमति जरूरी

इंदौर। आर्थिक संकट से जूझ रही मप्र सरकार के वित्त विभाग ने अब फिजूलखर्ची रोकने के लिए बड़ा फैसला लिया है। दरअसल वित्त विभाग ने जहां कई योजनाओं पर वित्तीय पाबंदी लगा दी है। इन योजनाओं के लिए पैसा खर्च करने से पहले वित्त विभाग की हरी झंडी लगेगी। यानी कि वित्त विभाग की मंजूरी के बाद ही विभाग इन योजनाओं में पैसे खर्च कर सकेंगे। जिन योजनाओं पर वित्तीय पाबंदी लागू की गई है वह सीधे आम व्यक्ति से ताल्लुक रखती हैं वित्त विभाग की ओर से जारी आदेश में यह बताया गया है कि ये पाबंदी मार्च 2025 तक लागू रहेंगी। वहीं वित्त विभाग ने 25 करोड़ से अधिक के आहरण पर पाबंदी लगा दी है। यानी विभाग वित्त विभाग की अनुमति के बिना इतनी राशि का आहरण नहीं कर सकते हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालते ही डॉ. मोहन यादव ने वित्तीय मैनेजमेंट पर सबसे अधिक फोकस किया है। इसके लिए उन्होंने वित्त विभाग को निर्देश दिया है कि जन हितैषी योजनाओं पर सबसे अधिक फोकस किया जाए। इसको देखते हुए वित्त विभाग ने अन्य विभागों को निर्देशित किया है कि वे अपने फंड का उपयोग आवश्यक योजनाओं पर ही करें। उधर, वित्तीय प्रबंधन के लिए एकमुश्त राशि निकालकर रखने की व्यवस्था पर रोक लगा दी गई है तो कई योजनाओं के लिए धन की निकासी से पहले वित्त विभाग की अनुमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। 25 करोड़ रुपये से अधिक राशि का आहरण वित्त विभाग से पूछे बिना नहीं किया जा सकता है।

पूंजीगत व्यय बढ़ाने पर जोर

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सरकार को जोर पूंजीगत व्यय बढ़ाने पर है। इससे अधोसंरचना विकास की परियोजनाओं को गति दी जा रही है। इस प्रयास की न केवल भारत सरकार प्रशंसा कर चुकी है बल्कि अतिरिक्त राशि भी उपलब्ध कराई है। खनिज, आबकारी जैसे क्षेत्रों से आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है तो कर चोरी रोकने सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग हो रहा है। प्रदेश में जीएसटी से आय लगातार बढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दिसंबर में 2,976 करोड़ रुपये का जीएसटी मिला था, जो 2023-24 के दिसंबर में 3,304 करोड़ रुपये पहुंच गया यानी 11 प्रतिशत की वृद्धि रही। वित्तीय वर्ष में इस अवधि तक 23,471 करोड़ का राजस्व मिला, जो पूर्व वर्ष से 21 प्रतिशत अधिक रहा।

राजस्व बढ़ाने के लिए वाणिज्यिक कर मुख्यालय स्थित डेटा, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में एनालिटिक्स टीम लगाई। कंस्ट्रक्शन, माइनिंग, बिल्डिंग मटेरियल आदि क्षेत्र से जुड़े प्रकरणों की छानबीन करके 442 करोड़ रुपये जमा करवाए। आडिट कराकर 80 करोड़ रुपये जमा कराने के साथ कर चोरी के 1,106 प्रकरणों में 438 करोड़ रुपये जमा करवाए गए। जीएसटी लागू होने के बाद राज्य सरकार के पास कर लगाने के अवसर सीमित हैं।

पेट्रोल-डीजल पर पहले से सर्वाधिक वैट (वेल्यू एडेड टैक्स) मप्र में लिया जा रहा है, इसलिए इसमें वृद्धि की गुंजाइश नहीं है। अब आबकारी और खनिज साधन ऐसे क्षेत्र है, जहां से आय बढ़ाई जा सकती है। आबकारी से 2019-20 में जहां 1, हजार 829 करोड़ रुपये की आय होती थी, वो 2023-24 में बढ़कर 13 हजार 845 करोड़ हो गई। 2024-25 में इसे बढ़ाकर 2024-25 में 16 हजार करोड़ रुपये पहुंचाने की तैयारी है। साथ ही उम्र की आबकारी नीति का अध्ययन भी कराया जा रहा है।

रोजगार के अवसर बढ़ाने पर फोकस

सरकार का फोकस है कि प्रदेश में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर बढ़ाया जाए। रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए छोटी व मझोली औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं में बैंकों से ऋण स्वीकृत कराया जा रहा है तो स्वनिधि योजना के माध्यम से पथ विक्रेताओं को फिर पैरों पर खड़ा करने के लिए बिना ब्याज का ऋण दिलवाया जा रहा है। कोरोना महामारी के समय जब आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ गई थीं, तब पूंजीगत कामों को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को गतिमान बनाए रखने का जो काम शुरू हुआ वो अब गति पकड़ चुका है।

पूंजीगत कार्यों में व्यय जीएसडीपी का चार प्रतिशत से अधिक हो गया है। 2019-20 में जहां 29,241 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे थे, वो 2023-24 में 60,689 करोड़ रुपये पहुंच गया। इस बार भी 15 प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित है। पूंजीगत कामों के लिए भारत सरकार के निर्धारित मापदंडों की पूर्ति के कारण विशेष केंद्रीय सहायता योजना में 3,829 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिले। अब फोकस उद्योग को बढ़ावा देकर रोजगार के अधिक से अधिक अवसर बनाने पर है। निवेशकों की तलाश की जा रही है। सात-आठ फरवरी 2025 को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट होगी। साथ ही छोटी और मझौली श्रेणी की इकाइयों को बढ़ावा देने की कार्ययोजना पर काम भी किया जा रहा है। विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं का क्रियान्वयन भी प्राथमिकता में रखा है ताकि रोजगार की मांग का दबाव कम हो।

70 से ज्यादा योजनाओं पर वित्तीय पाबंदी

वित्त विभाग ने पूर्व में ही 33 विभागों के 70 से अधिक योजनाओं पर वित्तीय पाबंदी लगा दी है। इन योजनाओं के लिए पैसा खर्च करने से पहले वित्त विभाग की हरी झंडी लगेगी। यानी कि वित्त विभाग की मंजूरी के बाद ही विभाग इन योजनाओं में पैसे खर्च कर सकेंगे। जिन योजनाओं पर वित्तीय पाबंदी लागू की गई है वह सीधे आम व्यक्ति से ताल्लुक रखती हैं वित्त विभाग की ओर से जारी आदेश में यह बताया गया है कि ये पाबंदी मार्च 2025 तक लागू रहेंगी। मतलब साफ है कि नया वित्तीय वर्ष शुरू होने से पहले तक ये रोक इसी महीने से लागू रहेंगी।

मप्र में अब सड़क मरम्मत,शहरी सड़कों के सुधार के लिए कायाकल्प योजना, पीडब्ल्यूडी की सडकों के सुधार, उन्नयन, डामरीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्त विभाग की अनुमति जरूरी होगी। मुख्यमंत्री बालिका स्कूटी योजना,लाखों किसानों में बंटने वाला एक हजार करोड़ के करीब बोनस का पैसा,मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन सहायता योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना,संबल योजना अब वित्त विभाग की बिना मंजूरी के खजाने से नहीं निकलेगा, सीएम सोलर पंप स्कीम, बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार की ट्रेनिंग, उच्च शिक्षा के लिए विदेश अध्ययन, तीर्थ यात्रा योजना के लिए भी वित्त विभाग की अनुमति जरूरी होगी।

सरकारी हेलिकॉप्टर का 70 करोड़ में बीमा कराएगी सरकार

11 अक्टूबर तक बुलाए ऑफर, ग्वालियर में दुर्घटनाग्रस्त विमान का नहीं था बीमा

इंदौर। मप्र सरकार 13 साल पुराने सरकारी हेलिकॉप्टर का 70 करोड़ रुपए में बीमा कराएगी। इसके लिए बीमा कंपनियों से 11 अक्टूबर तक ऑफर बुलाए गए हैं। बीमा एजेंसी को हेलिकॉप्टर के किसी भी रूप में दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ हाईजैक किए जाने या आतंकी हमले का शिकार होने पर नुकसान की भरपाई करना होगी। इसके पहले शिवराज सरकार के कार्यकाल में ग्वालियर में डैमेज हुए विमान का बीमा नहीं होने पर पिछले महीने कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने ब्यूरोक्रेसी को घेरा था, तब सरकार जबाव नहीं दे पाई थी।

प्रदेश के विमानन विभाग के आयुक्त द्वारा इसे लेकर जारी निर्देशों में कहा गया है कि एयरबस ईसी 155 बी 1 हेलिकॉप्टर (वीटी-एमपीआर) का बीमा किया जाना है। इस एयरक्राफ्ट के बीमा के लिए इच्छुक बीमा कम्पनियां 11 अक्टूबर को दोपहर बाद एक बजे तक ऑफर दे सकेंगी। इसमें एयरक्राफ्ट की खरीदी के समय कीमत एक करोड़ पांच लाख यूरो (भारतीय मुद्रा में 70 करोड़ 61 लाख 25 हजार रुपए) बताई गई है। इसमें हेलिकॉप्टर की प्रीविएस इंश्योरेंस डिटेल निल बताई गई है। साथ ही, वर्तमान में किए जाने वाले बीमा में हल आल रिस्क, हल वार रिस्क, थर्ड पार्टी लायबिलिटी, पैसेंजर लायबिलिटी, क्रयू लायबिलिटी एज पर डीजीसीए नार्म्स तय किया गया है।

70 करोड़ रखी डैमेज होने की प्रपोज्ड वैल्यू

सरकार द्वारा जारी शर्तों में कहा गया है कि हल रिस्क के अंतर्गत बीमा कम्पनी को एयरक्राफ्ट के सभी तरह के फिजिकल लॉस या डैमेज कवर होंगे जिसमें हेलिकॉप्टर के उड़ान, आपरेशन, टैक्सी सेवा या ग्राउंड कवरेज के दौरान होने वाला नुकसान भी शामिल होगा। इसकी प्रपोज्ड वैल्यू 70 करोड़ तय की गई है। थर्ड पार्टी लायबिलिटी के अंतर्गत हेलिकॉप्टर की प्रॉपर्टी बॉडी या डैमेज होने, पैसेंजर और क्रयू लीगल लायबिलिटी भी कम्पनी की जिम्मेदारी होगी जिसकी प्रपोज्ड वैल्यू दो करोड़ रुपए रखी गई है। हल वार एंड एलाइज पेरिल्स कवरेज को लेकर विभाग ने कहा है कि किसी तरह के हाईजैक या अन्य एक्सलूशन की स्थिति में भी बीमा कवर 70 करोड़ रुपए का होगा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव-बडगाम सीट पर उमर अब्दुल्ला और आगा मुंतजिर के बीच टक्कर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण का मतदान कल बुधवार 25 सितंबर को होने जा रहा है। इस चरण में बडगाम विधानसभा सीट पर चुनावी मुकाबला विशेष रूप से दिलचस्प हो गया है। इस सीट पर जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के आगा सैयद मुंतजिर मेहदी आमने-सामने हैं। यहां बताते चलें कि बडगाम विधानसभा सीट 1962 में अस्तित्व में आई थी और तब से जेकेएनसी का यहां दबदबा रहा है। पिछले 10 वर्षों में इस सीट पर जेकेएनसी को सिर्फ एक बार हार का सामना करना पड़ा है, जब 1972 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मोहम्मद मीर ने जीत हासिल की थी। इस कारण अब उमर अब्दुल्ला के लिए यह सीट काफी महत्वपूर्ण हो गई है। उमर अब्दुल्ला ने बडगाम के साथ-साथ गंदेरबल से भी चुनावी मैदान में प्रवेश किया है। वह अपनी पार्टी का दबदबा बरकरार रखने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी के चलते स्थानीय लोग नाराज हैं, जो उनकी राह में बाधा बन सकता है। वहीं उम्मीदवार आगा सैयद मुंतजिर मेहदी की स्थिति भी मजबूत है। मुंतजिर की बडगाम के शिया इलाकों में अच्छी पकड़ है, जिस कारण वो नतीजों में अब्दुल्ला को चौंका भी सकते हैं। 25 सितंबर को होने जा रहे मतदान में इन दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण का मतदान आज, मेंढर में भारी सुरक्षा बल किया तैनात

पुंछ। जम्मू कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कल यानी 25 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है। पुंछ जिले के मेंढर सब डिविजन में संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वह बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। चुनावों के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भी विशेष निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि तैनात किए गए जवानों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को सुचारू और सुरक्षित सम्पन्न कराने के लिए 142 पोलिंग बूथों पर सुरक्षाबलों को तैनात करने का निर्णय लिया है। सुरक्षा बलों की तैनाती का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति को रोकना और वोटरों को सुरक्षित माहौल देना है।

दूसरे चरण के चुनाव को देखते हुए तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं ने वोटरों को साधने के लिए तरह-तरह के वादे किए हैं। कुछ नेताओं ने विशेष रूप से आर्टिकल 370 की वापसी की बात कही है, जो पिछले कुछ वर्षों से चर्चा का विषय बना हुआ है। उनका कहना है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह आर्टिकल 370 को वापस लागू करने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा, विकास, रोजगार और सामाजिक कल्याण से जुड़े वादे भी किए गए हैं।बता दें कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के चुनाव के लिए सोमवार को चुनाव-प्रचार थम गया है। दूसरे चरण में 26 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। कश्मीर के तीन जिलों की 15 सीट और जम्मू के तीन जिलों की 11 सीट पर वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण के मतदान में 239 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है।

तिरुपति लड्डू मामले में सरकार गंभीर, थमाया नोटिस

तिरुमाला। तिरुपति मंदिर से जुड़े लड्डू मामले में अब केंद्र सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए डेयरी फर्म को नोटिस थमाया है। वहीं दूसरी तरफ भगवान वेंकटेश्वर स्वामी को प्रसन्न करने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम मंदिर में चार घंटे का शुद्धिकरण अनुष्ठान पूर्ण किया गया। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने श्रद्धालुओं को आश्वासत किया कि अनुष्ठान के साथ ही प्रसाद की पवित्रता बहाल कर दी गई है।

जानकारी अनुसार भारत के खाद्य सुरक्षा नियामक ने भी तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम मंदिर प्राधिकरण को मिलावटी घी उपलब्ध कराने के मामले में तमिलनाडु की एक फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

यह कदम तिरुपति के लड्डुओं में पशु वसा के इस्तेमाल के दावों की जांच और सख्त कार्रवाई की बढ़ती मांग के बीच उठाया है। वहीं भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने अदालत की निगरानी में जांच का आग्रह किया है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष और वाईएसआरसीपी सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी ने मिलावट के आरोपों से इनकार करते हुए सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति से जांच की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद की शीर्ष संस्था ने सर्वोच्च न्यायालय से तिरुपति लड्डुओं में मिलावट के आरोपों पर स्वतः संज्ञान लेने का भी आग्रह किया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इन दावों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल की घोषणा की है।

तिरुपति लड्डू विवाद-तंबाकू मिलने का नया मामला

तिरुपति के लड्डू में घटिया घी और पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों के बीच एक नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। एक श्रद्धालु, डोंथु पद्मावती, ने 19 सितंबर को तिरुपति मंदिर में चढ़ाए गए लड्डू में तंबाकू मिलने का दावा किया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब तिरुपति के प्रसाद की पवित्रता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पद्मावती ने बताया कि वह अपने परिवार और पड़ोसियों के साथ प्रसाद बांटने के लिए लड्डू लेकर आई थी, तभी उन्हें लड्डू में कागज में लिपटी तंबाकू मिली। उन्होंने कहा, कि प्रसाद को पवित्र माना जाता है और इस तरह की चीज मिलना दुःखी करने जैसा है।

कटाक्ष

चाल चलकर

प्रजातंत्र तो एक शतरंज हैं
जिसकी मोहरे
जनता कहलाती हैं
जो पांच साल में
अपनी मोहरे चलाती हैं
नेता शकुनि बन जाते हैं
चाल चलकर
कुर्सी हथियाते हैं

भाई चारे का नाता

वे संसद में रहकर
भाई चारे का नाता
इस तरह निभाते हैं
अपने ही भाई का चारा
बड़े मजे से खाते हैं

रोल

कुछ छुटभैया नेता
अपना रोल
इस तरह निभाते हैं
जिधर का पलड़ा
भारी दिखता हैं
उधर लुढ़क जाते हैं

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.) 457226, जिला रतलाम मो. 9479662215

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com